हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भोजन घोटाला...



15 साल बाद हो रही पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में अनुपस्थित छात्रों की संख्या ने शिक्षा विभाग को परेशानी में डाल दिया है। बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा नहीं दे रहे हैं। अधिकारी सकते में हैं और जांच के लिए घर-घर पहुंच रहे हैं। पता चल रहा है कि छात्र गरीबी, मजदूरी की मजबूरी में पढ़ाई से दूर हो गए हैं। टीम हरिभूमि भी जांच के लिए पहुंची। चौकाने वाले खुलासे हुए। पता चला कि बच्चे 4-5 महीना पहले ही परिवार सहित दिल्ली, जम्मू, महाराष्ट्र, गुजरात और दूसरे राज्यों पलायन कर गए हैं। लेकिन इन बच्चों की बकायदा रोजाना उपस्थिति दर्ज हो रही है और उनके नाम से मध्यान्ह भोजन भी बन रहा है। इन स्कूलों में बिलासपुर का मोपका, चिंगराजपारा के साथ ही तखतपुर का प्राथमिक शाला टिहुलाडीह शामिल हैं।

4 महीने पहले पलायन कर गए छात्र, स्कूल में लगती रही हाजिरी, कागजों में खिलाया खाना

टेकचंद कारडा ⏭ बिलासपुर/तखतपुर

हरिभूमि की टीम सबसे पहले तखतपुर ब्लाक के प्राथमिक शाला टिहुलाडीह पहुंची तो पाया कि 5वीं की परीक्षा में 22 विद्यार्थियों में 12 विद्यार्थी ही ही उपस्थित हो रहे हैं। शेष 10 विद्यार्थी पिछले 4 महीने से अपने परिजन के साथ ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव



प्राथमिक शाला टिहुलाडीह में गांव में नहीं रह रहे स्टूडेंट की उपस्थिति डालना और मध्यान्ह भोजन में गड़बड़ी करने की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

- कामेश्वर बैरागी
विकासखंड शिक्षा अधिकारी

हरिभूमि ने छात्रों के घर पहुंचकर जानकारी ली तो मामला सामने आया



दादा- दादी की सेवा के लिए नहीं दी परीक्षा

इसी तरह प्राथमिक शाला टिहुलाडीह कक्षा पांचवीं में पढ़ने वाली छात्रा रौशनी माथुर परीक्षा के पहले दिन ही स्कूल नहीं पहुंची तब शिक्षक गुलाम रसूल खान उसके घर गए। छात्रा ने बताया कि उसके माता और उसके भाई कमाने के लिए महाराष्ट्र गए हैं और वह अपने दादी और दादा की मदद करने के लिए घर में है। दादी की आंख की रोशनी नहीं है उसकी मदद के लिए वह घर में रहती है, इसलिए वह परीक्षा दिलाने नही जा सकती है।



पलायन बड़ा कारण दूसरी बार मौका देंगे

5 वीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में छात्रों की अनुपस्थिति चिंता का विषय है। शिक्षकों ने ऐसे स्टूडेंट के घर जाकर भी जानकारी ली है। इसमें पलायन सबसे बड़ा कारण सामने आ रहा है। इसके साथ ही कुछ छात्रों ने दूसरे स्कूलों में एडमिशन ले लिया है और पहले स्कूल से नाम नहीं कटवाया है। जो बच्चे इस परीक्षा में उपस्थित नहीं हो रहे हैं उन्हें फिर से दूसरी बार मौका दिया जाएगा। इनके लिए रेमेडियल क्लासेस भी लगाई जाएंगी।

-वासुदेव पांडे, समन्वयक समग्र शिक्षा, शहरी क्षेत्र

हैवी ड्यूटी बॉयो डाईजेस्टर
अन्डरग्राउण्ड सेप्टिक टैंक



GUJRAAJ
8120970000

8.50 के ट्यूब को 2352 रुपए, 5 लाख की सीबीसी मशीन को 25 लाख में खरीदा

दवा निगम में भ्रष्टों का किला ढहा, तत्कालीन जीएम सहित पांच अरेस्ट, सात दिन की रिमांड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हजारों गुना अधिक दाम में रीएजेंट और अन्य उपकरण की खरीदी के महाघोटाले के खिलाफ हरिभूमि की लंबी मुहिम ने असर दिखाया है। घोटाले में सप्लायर मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी की गिरफ्तारी के बाद ईओडब्लू की टीम ने इस महाघोटाले को अंजाम देने वाले सीजीएमएससी के तत्कालीन जीएम सहित पांच अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। लगभग 660 करोड़ के इस रीएजेंट और उपकरण घोटाले को अंजाम देने के लिए 8.50 के ईडीए ट्यूब को 2352 और 5 लाख की सीबीसी मशीन को 25 लाख रुपए में खरीदा था। मामले में पूछताछ के लिए उन्हें सात दिन की रिमांड पर लिया गया है।

टीम हरिभूमि लगातार इस महाघोटाले को सामने लाने मुहिम चला रहा था। हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जाकर कूड़े की तरह जमा किए गए रीएजेंट और उपकरण रखे जाने का खुलासा किया था। पाठकों को बताया कि किस तरह अरबों रुपए की दवा और उपकरण बिना मांग के प्रदेशभर में भेजे गए। शासन द्वारा मामले की जांच ईओडब्लू को सौंपी। घोटाले से जुड़ी अहम कड़ी मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा के विभिन्न ठिकानों में 28 जनवरी को छापा मारा गया और देर रात उसे गिरफ्तार किया गया था। अब इस घोटाले में जुड़े सीजीएमएससी ⏭शेष पेज 7 पर

खबर का असर

हरिभूमि की लंबी मुहिम का असर...



आईएएस भी घेरे में

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल आईएएस की संलिप्तता को लेकर है। अरबों रुपए की खरीदी में दो आईएएस और तत्कालीन मंत्रियों की भूमिका संदिग्ध है। दो आईएएस से ईओडब्ल्यू में पूछताछ की जा चुकी है। हालांकि अब तक पूर्व मंत्री से पूछताछ नहीं की गई है।

27 दिन में हुई खरीदी पड़े-पड़े खराब हुए

इस बड़े घोटाले को अंजाम देने के लिए अधिकारियों की टीम इतनी सक्रिय थी कि केवल 27 दिन में ही करीब 411 करोड़ की प्रक्रिया पूरी कर ली। दवा कार्पोरेशन के गोदाम फुल होने के बाद रीएजेंट ऐसे 200 स्वास्थ्य केंद्रों में में भेज दिया गया, जहां उसे रखने के लिए रेफ्रिजरेटर तक की व्यवस्था नहीं थी। स्वास्थ्य केंद्रों में पड़े-पड़े करोड़ों के रीएजेंट खराब हो गए। इसके साथ ही सीबीसी मशीन की सप्लाई इस तरह की गई कि उसमें कोई दूसरा रीएजेंट उपयोग नहीं हो सके। बाद में इन मशीन को कोडवर्ड के माध्यम से लॉक भी कर दिया गया।

किनकी क्या थी जिम्मेदारी



तत्कालीन प्रभारी महाप्रबंधक उपकरण एवं उप महाप्रबंधक क्रय एवं संचालक **बसंत कुमार कौशिक**- टेंडर समिति का महत्वपूर्ण सदस्य होने के साथ जरूरत और आवश्यकता तय करने के साथ उपकरण और रीएजेंट खरीदी करने की जिम्मेदारी।



तात्कालीन डिप्टी डायरेक्टर स्टोर डॉ. **अनिल परसाई**- सरकारी अस्पतालों में दवा और उपकरणों की आवश्यकताओं का आकलन करना। कमी तय कर सीजीएमएससी के माध्यम से खरीदी की सिफारिश करना।



तात्कालीन उपप्रबंधक उपकरण **कमलकांत पाटनवार**- टेंडर कमेटी के सदस्य होने के साथ आवश्यकता के हिसाब से खरीदी के लिए स्पेस्फिकेशन तय करना। खरीदी के लिए उपकरणों की आवश्यकता तय करना।





बायोमेडिकल इंजीनियर **क्षिरौद्र रौतिया और दीपक कुमार बंधे**- सप्लायर द्वारा प्राप्त होने वाले रीएजेंट की जांच कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण करना। इसके साथ ही आवश्यकता होने पर खरीदी संबंधी आर्डर जारी करने वाली कमेटी में सहभागिता।



हमर-प्रदेश

रायपुर, रविवार 23 मार्च 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

दिशा ने बिखेरा जलवा श्रेया ने लूटी महफिल

इधर, आईपीएल का आगाज



कोलकाता। भारत में खेलों का त्योहार आईपीएल का रंगारंग आगाज शनिवार को हुआ। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में आईपीएल के 18वें जन्मदिन के मौके पर सितारों का जमावड़ा लगा था। इस दौरान फैंस की दीवानगी देखते ही बन रही थी। इसी के साथ आईपीएल-2025 की औपचारिक शुरुआत भी हो गई। हमेशा की तरह आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी शानदार रही। जहां फैंस ने गानों का मजा लिया और ठुमके भी लगाए।

बेंगलुरु का जीत से आगाज

आईपीएल-18 के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को 7 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 174 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 3 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

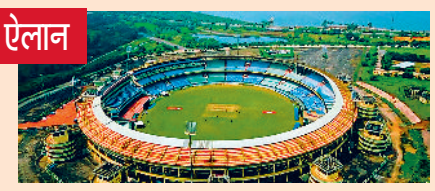
शाहरुख ने की शुरुआत

ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक और बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने अपनी स्पीच के साथ की। कोलकाता की रहने वाली श्रेया घोषाल ने ने 15 मिनट में 10 से ज्यादा गाने गाए। उनके बाद दिशा पाटनी ने परफॉर्म किया। दिशा कुछ ही देर स्टेज पर दिखीं और उनके बाद आए करण औजला। इस पॉप गायक ने पूरे स्टेडियम को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

रायपुर को मिली इंटरनेशनल मैच की मेजबानी भारत- द. अफ्रीका 3 दिसंबर को खेलेंगे वनडे

इधर, रायपुर में इंटरनेशनल मैच का ऐलान

रायपुर। क्रिकेट प्रेमियों को साल के अंतिम महीने में 3 दिसंबर को शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच देखने का मौका मिलेगा। रोमांच से भरपूर इस मैच में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी एक बार फिर चौके-छक्के लगाते नजर आएंगे। बता दें कि 21 जनवरी 2022 को रायपुर में भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच खेला गया था, और अब यह दूसरा मौका होगा जब टीम इंडिया रायपुर आएगी। बीसीसीआई की शनिवार को कोलकाता में हुई बैठक में वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के दौरे को अंतिम रूप दिया गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर 2025 में भारत दौरे पर आएगी और इस दौरान वह भारत के खिलाफ दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी।



दो साल बाद होगा वनडे मुकाबला

शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में अंतिम वनडे मैच 21 जनवरी 2022 को खेला गया था, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इसके बाद 1 दिसंबर 2023 को सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल की थी। अब दो साल बाद छत्तीसगढ़ को एक और वनडे मुकाबले की मेजबानी मिल रही है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर 2025 में होने वाले इस मुकाबले में रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल जैसे बड़े खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

सीरीज का दूसरा मैच रायपुर में खेला जाएगा

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला का पहला मुकाबला दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह गुवाहाटी में आयोजित होने वाला पहला टेस्ट मैच होगा, जो 22-26 नवंबर के बीच खेला जाएगा। इसके बाद वनडे सीरीज का पहला मैच 30 नवंबर को रांची में होगा। दूसरा वनडे मैच 3 दिसंबर को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में और तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। इसके बाद टी-20 मैच 9, 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को क्रमशः कटक, नागपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

कांग्रेस ने की 11 जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस में ने 11 जिला अध्यक्षों की पहली सूची जारी कर दी है। एआईसीसी द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन 11 जिलों में नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। जिला अध्यक्ष बदलने को लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हार की समीक्षा के बाद से चर्चा चल रही थी। कांग्रेस ने नगरीय निकाय चुनाव में करारी हार के बाद संगठन को मजबूत करने की दिशा में यह कदम उठाया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी से जारी आदेश के मुताबिक, बालोद में चंद्रेश हिरवानी, दुर्ग (ग्रामीण) राकेश ठाकुर, नारायणपुर में बिसेल नाग, कोंडागांव में बुधराम नेताम, कोरबा (शहर) नाथूलाल यादव, कोरबा (ग्रामीण) मनोज चौहान, बलौदाबाजार में सुमित्रा घृतलहरे, सारंगढ़-बिलागढ़ में ताराचंद देवांगन, सरगुजा में बालकृष्ण पाठक, बलरामपुर में कृष्ण प्रताप सिंह और बेमेतरा में आशीष छाबड़ा अध्यक्ष बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दीपक बैज ने कांग्रेस संगठन में नई नियुक्ति के संबंध में एआइसीसी को सूची सौंपी थी, जिस पर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की अनुसंशा के बाद मुहर लगाई गई है।

बिहार और छत्तीसगढ़ की संस्कृति में जुड़ाव



भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि बिहार और छत्तीसगढ़ की संस्कृति बहुत मिलती जुलती है। छत्तीसगढ़ के विकास में यहां निवासरत बिहार के लोगों का भी बड़ा योगदान है। अटल जी ने झारखंड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को एकसूत्र में पिरोने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान शुरू किया है। छत्तीसगढ़ की सरकार एक एक कर मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। श्री साय शनिवार को भिलाई में इंपीरियन होटल में आयोजित बिहार दिवस मिलन समारोह में बोल रहे थे। समारोह में मुख्य अतिथि बिहार के पथ निर्माण मंत्री और छत्तीसगढ़ के प्रभारी नितिन नवीन ने अपने उदबोधन में वर्ष 2025 को बिहार के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए बिहार के स्थापना दिवस पर निवासियों को बधाई दी।

ओडिशा से गांजा लाकर छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों में व्यापार का पुराना सरगना

कुख्यात गांजा तस्कर हीराधर यादव की करोड़ों की अवैध कमाई संपत्ति फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जशपुर पुलिस ने सफेमा कोर्ट मुंबई के माध्यम से गांजा तस्कर की करोड़ों की अवैध कमाई संपत्ति फ्रीज कराई है। कुख्यात गांजा तस्कर हीराधर यादव लंबे अरसे से गांजा तस्करी में शामिल था। आईजी सरगुजा रेंज अंकित गर्ग एवं एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में सरगुजा रेंज में पहली बार जशपुर जिले से सफेमा के तहत कार्रवाई की गई है। गांजा तस्कर हीराधर यादव के खिलाफ जशपुर के अलावा सीतापुर में गांजा तस्करी के 2 मामले दर्ज है। अभियुक्त के ग्राम हल्दीझरिया स्थित मकान कीमत 1 करोड़ 1 लाख 47 हजार 1 सौ 34 रु तथा 5 वाहन कीमत 37 लाख 35 हजार, कुल कीमत एक करोड़ अड़तीस लाख ब्यासी हजार एक सौ चौतीस) की पुष्टि हुई है।

- सफेमा कोर्ट मुंबई के माध्यम से की गई करवाई

जशपुर जिले के हल्दीझरिया थाना बागबहार निवासी हीराधर ओडिशा से गांजा लाकर छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों में व्यापार का पुराना सरगना है। हीराधर यादव को चौकी कोतबा थाना बागबहार द्वारा 27 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा था, जिस पर अपराध क्र. 94/2024 धारा 20(बी)(ii)(सी) दर्ज किया गया था। अभियुक्त शातिर किस्म का गांजा तस्कर था जिसके विरुद्ध सरगुजा जिले में भी गांजा तस्करी के 02 अपराध पंजीबद्ध किए गए थे।



तीन वर्ष में 1.50 करोड़ से ज्यादा की राशि अंतरित की

अभियुक्त हीराधर यादव तथा उसके परिवारजनों के खातों में विगत 3 वर्षों से कम अवधि में ही 1 करोड़ 50 लाख से ज्यादा की राशि अंतरित की गई थी। गांजे के अवैध व्यापार से अभियुक्त हीराधर यादव ने 5 वाहन तथा 2 मंजिला मकान कुल कीमत एक करोड़ अड़तीस लाख ब्यासी हजार एक सौ चौतीस का अर्जित किया था। विस्तृत रिपोर्ट सक्षम अधिकारी तस्कर एवं विदेशी मुद्रा छल साधक संपत्ति संपहरण अधिनियम 1976 (साफेमा) मुंबई को प्रेषित की गई। अभियुक्त को अपने अभिकर्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखने का पूर्ण अवसर दिया गया। अंततः जशपुर पुलिस द्वारा किये गये आर्थिक अन्वेषण प्रमाणित होने पर अभियुक्त हीराधर यादव के ग्राम हल्दीझरिया स्थित मकान तथा 5 वाहन जिसमे 2 कार, 2 मोटर सायकल, 1 ट्रेक्टर जिसकी कुल कीमत रू. एक करोड़ अड़तीस लाख ब्यासी हजार एक सौ चौतीस के समपहरण की पुष्टि की गई।

जिले में पहली बार हुई करवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल द्वारा इसकी संपत्ति का विवरण प्राप्त कर सफेमा मुंबई कोर्ट में अत्यंत प्रोफेशनल तरीके से प्रस्तुत करने पर जशपुर जिले से प्रथम बार ऐसी कार्रवाई हुई है।

जिले में 2 लाख का गांजा किया गया था बरामद

पूर्व में 2 जून 24 के शाम में चैकी कोतबा द्वारा गांजा तस्करी की सूचना मिलने पर ग्राम पीठाआमा चौक के पास नाकाबंदी करने के दौरान कार सी.जी. 13 ए.डब्ल्यू 4063 कार के चालक एवं उसमें सवार कुछ व्यक्ति पुलिस को देखकर अंधेरे एवं पानी गिरने का मौका पाकर भाग गये, पुलिस द्वारा उनके भागने पर तत्काल कार के पास जाकर घेराबंदी की गई थी। उक्त कार में एक 16 वर्षीय बालक मिला जो कार का गेट नहीं खुलने पर भागने में असफल रहा। पुलिस द्वारा उक्त बालक से गांजा रखने के संबंध में पूछताछ कर वाहन की तलाशी ली गई, तलाशी दौरान वाहन की डिक्की में मादक पदार्थ गांजा 27 किलोग्राम कीमत दो लाख सत्तर हजार रुपये मिलने पर कार सहित जब्त कर अपचारी नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया। अपचारी बालक ने पूछताछ पर बताया कि उक्त गांजा हीराधर यादव का है। पुलिस द्वारा हीराधर यादव को 26 अगस्त 24 को एवं उसके साथी महेश यादव को 10 अक्टूबर 24 को गिरफ्तार किया जा चुका है। हीराधर यादव के विरुद्ध सीतापुर थाना में गांजा तस्करी के 2 प्रकरण वर्ष 2014 एवं 2016 में दर्ज है। चौकी कोतबा में वर्ष 2024 में दर्ज किया गया है।

विधानसभा में दी गलत जानकारी, रेंजर सहित पांच निलंबित

रायपुर। विधानसभा में गलत जानकारी दिए जाने के मामले में डीएफओ सहित 7 अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। इन अधिकारियों ने विधानसभा में गलत जानकारी दी थी। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस वजह से इन अफसरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इनमें से वन परिक्षेत्र अधिकारी, माना नर्सरी प्रभारी सहित तीन लिपिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। डीएओ और एडीएफओ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।



केदार कश्यप वन मंत्री



शेषराज हरवंश विधायक

- डीएफओ और डिप्टी डीएफओ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र 2025 के दौरान पामगढ़ की विधायक शेषराज हरवंश ने माना में इंदिरा निकुंज रोपणी में संचालित होने वाले महिला स्व सहायता समूह के काम की जानकारी मांगी थी। काम करने वाले समूह की जानकारी छिपाकर अफसरों ने मंत्री को गलत जानकारी दी थी। इसी की वजह से रायपुर वनमंडल के रायपुर परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मिश्रा, माना नर्सरी प्रभारी वनपाल तेजा सिंह साहू, वनमंडल कार्यालय के सहायक ग्रेड-2, अविनाश वाल्दे और प्रदीप तिवारी, परिक्षेत्र कार्यालय के लिपिक अजीत ड़डसेना को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। वनमंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल एवं उप वनमंडलाधिकारी विश्वनाथ मुखर्जी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने शासन स्तर पर पत्राचार करने निर्देशित किया है। मंत्री केदार कश्यप ने वन विभाग के समस्त अधिकारियों को भविष्य में इस प्रकार की गलती दोबारा न करते हुए विधानसभा से संबंधित प्रश्नों की जानकारी सत्य एवं निष्ठापूर्व भेजने की हिदायत दी है।

धमतरी में 20 लाख की लूट, स्कॉर्पियों में भाग रहे नकाबपोशों को क्राइम ब्रांच-पुलिस ने राजनांदगांव तक पीछा कर पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

धमतरी जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोटियाडीह चौक के पास शनिवार को दोपहर में दिनदहाड़े नकाबपोश लुटेरों ने फिल्मी स्टाइल में एक कार सवार को कट्टा दिखाकर 20 लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए। तीनों आरोपी स्कॉर्पियों में सवार थे। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी स्कॉर्पियों से रायपुर की तरफ भागे थे। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमतरी क्राइम ब्रांच तुरंत आरोपियों की तलाश में रायपुर के लिए रवाना हुई। इधर घटना का पाइंट रायपुर क्राइम ब्रांच को भी मिल गया था, जिसके बाद धमतरी और रायपुर क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने स्कॉर्पियों की लोकेशन पता करते हुए उसका पीछा किया। पुलिस को सूचना मिली कि गाड़ी राजनांदगांव की ओर जा रही है। इसके बाद पुलिस ने राजनांदगांव पुलिस को भी इसकी सूचना दी। इस तरह देर शाम को पुलिस ने स्कॉर्पियों को राजनांदगांव के पास घेराबंदी कर पकड़ा। स्कॉर्पियों में तीन नकाबपोश सवार थे, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। बताया जा रहा है कि राजनांदगांव पुलिस इस मामले का रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा करेगी।

- धमतरी-रायपुर क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम की कार्रवाई
- धमतरी के अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम पोटियाडीह में आरोपियों ने दिनदहाड़े दिया वारदात को अंजाम



प्रार्थी और लुटेरे सभी राजनांदगांव के निवासी

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, जिस व्यक्ति से लूटपाट हुई है उसका नाम पुरुषोत्तम साहू बताया जा रहा है, जो राजनांदगांव का व्यापारी है। वह अपनी कार सीजी-08, एयू 4942 से धमतरी में एक व्यापारी को पैसे देने जा रहा था। दोपहर करीब 2 से ढाई बजे के आसपास जैसे ही उसकी कार ग्राम पोटियाडीह चौक के पास पहुंची, तभी अज्ञात स्कॉर्पियो वाहन ने कार को पीछे से ठोकर मार दी। टक्कर लगने के बाद जैसे ही व्यापारी ने कार रोकी, स्कॉर्पियों में सवार नकाबपोश लुटेरों ने नीचे उतरकर व्यापारी की कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान एक आरोपी ने कट्टा दिखाकर उसके पास रखे नकद 20 लाख रुपए लूट लिए। इसके बाद तीनों आरोपी अपनी गाड़ी से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस को पता चला कि आरोपी कार से रायपुर की ओर भागे हैं। इधर रायपुर क्राइम ब्रांच को भी इसकी सूचना मिली, जिसके बाद दोनों जिलों के क्राइम ब्रांच की टीम स्कॉर्पियों का पता लगाते हुए उसकी लोकेशन का पता किया।

चार, महुआ, आम व तेंदूफल को नुकसान

मौसम बदला, मैनपुर में जमकर गिरे ओले

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद में बीते दो दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। शुक्रवार रात में झमाझम बारिश के साथ जहां मैनपुर क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई। वहीं पूरी रात नगर सहित क्षेत्र के सैकड़ों गांवों में बिजली बंद रही। तेज धूप, बारिश और ओलावृष्टि के कारण मौसम सर्द गर्म हो गया है। वहीं, छोटे-छोटे बच्चे बर्फ के गोले को एकत्रित करते हुए भी नजर आए।

अचानक हुई ओलावृष्टि से आम, महुआ, तेंदू, चार के फसल काफी प्रभावित हुए हैं। इन दिनों क्षेत्र के ग्रामीण महुआ एकत्र करने में सुबह से शाम तक लगे हुए है, ऐसे समय में ओलावृष्टि और बारिश से महुए के साथ चार की फसल पूरी तरह प्रभावित होने की संभावना बनी हुई बै। आम छोटे-छोटे फल झड़ रहे हैं तो जो मक्का की फसल पककर तैयार हो चुकी है, वह भी प्रभावित होने की संभावना है।



- रातभर बिजली बंद रहने से उमस और गर्मी से लोग हुए परेशान



चिमनी की रोशनी में पढ़ाई

शुक्रवार शाम 6 बजे के आसपास हल्की आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओलावृष्टि से मैनपुर नगर सहित सैकड़ों गांवों की बिजली बंद हो गई। यहां रहने वाले रातभर अंधेरे में गुजारने मजबूर हो गए। उमस और गर्मी से परेशान रहे। वहीं इन दिनों बोर्ड कक्षाओं की परीक्षाएं चल रही है, स्कूली छात्र -छात्राएं लालटेन एवं चिमनी की रोशनी में पढ़ाई एवं परीक्षा की तैयारी करते नजर आए। बिजली विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अचानक बादल कड़कने से बिजली के मुख्य लाइन में फाल्ट आ गया था, जिसे आधी रात को सुधार कर कई जगह बिजली बहल कर दी गई थी।

ॐ प्रार्थना सभा ॐ



अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी सुपुत्री

ऋचा कौशिक

का निधन : दिनांक - 16/03/2025, दिन - रविवार

को आकस्मिक निधन हो गया है, जिसकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा रविवार दिनांक 23/03/2025 को कालीबाड़ी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, भिलाई में समय सायं 4 बजे रखा गया है। अतः इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना करें ।

विनीत

पिता जी - श्री करुणाकर कौशिक
माता जी - श्रीमती स्वीटी कौशिक
(जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा भिलाई भाजपा)
एवं समस्त कौशिक परिवार

रायपुर, रविवार 23 मार्च 2025 | चैत्र कृष्ण पक्ष नवमीं | वर्ष : 23, अंक : 244 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अजय-मूणत रहे आक्रामक

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है, इसके बाद भी बजट सत्र में पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक अजय चंद्राकर और राजेश मूणत की आक्रामकता चर्चा में रही। अजय चंद्राकर ने कई मुद्दों पर अपनी ही सरकार के मंत्रियों को जमकर घेरा। श्री मूणत भी काफी आक्रामक रहे। सदन के समापन के दिन विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने कहा कि अजय चंद्राकर हमारे बुमराह हैं।



रेणुका, अमर अग्रवाल, रायमुनि, राजेश अग्रवाल और सिन्हा ने बजट सत्र में नहीं पूछा एक भी सवाल

भाजपा के अजय, धरम, धर्मजीत, मूणत और भावना ने 16 दिन में लगाए 64 सवाल, इतनी ही लिमिट


भैयालाल राजवाड़े


विक्रम उसेंडी


लता उसेंडी


भूलन सिंह मरावी


विद्यावती सिदार


प्रणव कुमार मरपच्ची


प्रेमचंद पटेल


पुरंदर मिश्रा


प्रबोध मिंज


डोमनलाल कोर्सेवाड़ा

10 से कम सवाल लगाने वाले विधायक


चैतराम अटामी


सुनील सोनी


गुरु खुशवंत साहेब

10 से कम सवाल पूछने वाले एक दर्जन विधायक भी इसमें शामिल हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र से संबंधित मामलों में ही सवाल उठाए। इनमें भाजपा के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक मैयालाल राजवाड़े ने 1 और विक्रम उसेंडी ने 3 सवाल ही लगाए। पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने 4 सवाल पूरे सत्र के दौरान पूछा। केवल चार सवाल लगाने वाले अन्य विधायकों में भूलन सिंह मरावी, विद्यावती सिदार, प्रणव कुमार मरपच्ची, प्रेमचंद पटेल और पुरंदर मिश्रा के नाम शामिल हैं। विनायक गोयल ने 5, प्रबोध मिंज ने 7, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, चैतराम अटामी और सुनील सोनी ने 8 और गुरु खुशवंत साहेब ने सत्र के दौरान 10 सवाल ही लगाए थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस के 10 और भाजपा के 5 विधायक रहे फुलफार्म में, सत्ताधारी 5 विधायक रहे खामोश

छत्तीसगढ़ के बजट सत्र जोरदार रहा। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी मंत्रियों को जमकर घेरा। नए विधायकों ने भी जमकर सवाल पूछे। बजट सत्र 17 दिन का था। राज्यपाल के अभिभाषण के दिन सवाल नहीं पूछे जाते। इस तरह 16 दिन प्रश्नकाल रहा। हर दिन एक विधायक अधिकतम 4 सवाल पूछ सकता है। इस तरह एक विधायक ज्यादा से ज्यादा 64 सवाल पूछ सकता है। ⏭शेष पेज 7 पर

अलग खबर

50 से अधिक सवाल इन सदस्यों ने पूछे

सत्र के दौरान विधानसभा में कुछ विधायकों ऐसे भी थे जिन्होंने 50 या उससे अधिक सवाल लगाए। ऐसे विधायकों मे अधिकांश नए विधायक शामिल हैं जो पहली बार विधायक बने। इनमें भाजपा के सुशांत शुक्ला, संपत अग्रवाल, अनूज शर्मा आगे रहे। कांग्रेस विधायकों में चातुरी नंद, ओंकार साहू, संगिता सिन्हा, अनिला भेड़िया, कुंवर सिंह निषाद के नाम शामिल हैं। इन विधायकों ने अपने क्षेत्र के मामले विधानसभा उठाए।

एक दर्जन कांग्रेस और 6 भाजपा सदस्यों ने प्रतिदिन पूछे सवाल

विपक्ष में होने के कारण प्रश्नकाल का ज्यादातर उपयोग कांग्रेस सदस्यों ने किया उन्होंने अधिक से अधिक सवाल लगाए। बजट सत्र के दौरान पूरे 16 दिन एक दर्जन कांग्रेस सदस्यों के सवाल रोज आए। वहीं भाजपा के आधा दर्जन सदस्य ऐसे थे जो सवालों माध्यम से रोज चर्चा में रहे। लगभग ⏭शेष पेज 7 पर

घर में लगी आग से जुड़ा वीडियो आया सामने

जज वर्मा के घर में दिखा जले हुए नोटों का अंबार



एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में लगी आग से जुड़ा वीडियो सामने आया है, जहां भारी नकदी मिली थी। दिल्ली पुलिस की ओर से इस वीडियो को शूट किया गया था। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट अब प्रकाशित कर दी गई है। यहां मौजूद सभी दस्तावेज 25 पृष्ठों में हैं जिनमें जलते नोटों की तस्वीरें भी दिखाई गई हैं। यह वीडियो 1 मिनट और 7 सेकंड का है, जिसमें नोटों की जलती हुई गड्डी नजर आ रही है। कई नोट जलकर राख खाक हो गए हैं और कुछ अभी भी जल रहे हैं। मौके पर मौजूद दमकलकर्मी सफाई करते दिख रहे हैं। एक शख्स अपने मोबाइल से वीडियो ⏭शेष पेज 7 पर

सुप्रीम कोर्ट ने बनाई जांच कमेटी

जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगे आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने 3 जजों की कमेटी का गठन कर दिया है। इस कमेटी के सदस्य पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन हैं।

न्यायिक कार्य नहीं कर सकेंगे

सुप्रीम कोर्ट की प्रेस रिलीज के मुताबिक दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से यह कहा गया है कि वह फिलहाल जस्टिस यशवंत वर्मा को कोई न्यायिक कार्य न दें। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की रिपोर्ट, जस्टिस यशवंत वर्मा का जवाब सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए जा रहे हैं।

मैंने चवन्नी खा ली है, डिब्बे की आवाज कितनी है, सेशन एक पैसे का, आईपीएल में सटोरियों ने ईजाद किए शब्द...

बिलासपुर- विकास चौबे/ भिलाई- जेएम तांडी

शहर के प्रमुख खाइवाल ने बताया

'सेशन एक पैसे का है', 'मैंने चवन्नी खा ली है', 'डिब्बे की आवाज कितनी है', 'तेरे पास कितने लाइन है', 'आज फेवरिट कौन है', 'लाइन को लंबी पारी चाहिए'... कहने को यह सिर्फ चंद ऊटपटांग शब्द लगेंगे, लेकिन इनके बोलने में करोड़ों का लेनदेन हो रहा है। बात हो रही है आईपीएल पर सट्टे बाजार की। आईपीएल को सट्टेबाजों को त्यौहार कहा जाता है। सरकार ने महादेव एप पर भले ही प्रतिबंध लगा दिया हो अवैध बेटिंग ऐप के ऑपरेटर्स सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के इस्तेमाल से 'best IPL betting site' या 'online casino without KYC' टैग लाइन के साथ अपने साइट का प्रचार करते हैं ताकि लोग इनके झांसे में आ जाएं। यह व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप का भी जमकर इस्तेमाल करते हैं। ऐसे लोग जिनके फॉलोअर्स की संख्या लाखों में हैं। बिलासपुर में चकरभाठा सट्टे का सबसे बड़ा ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि इंवेस्टीगेशन

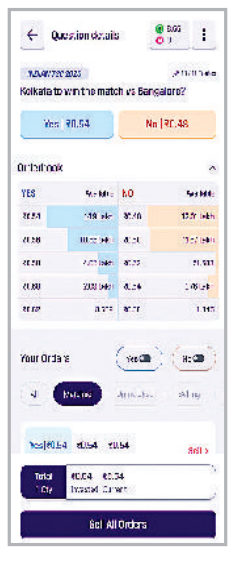
हरिभूमि- आईपीएल में सट्टा कैसे लगाया जाता है, क्या करना होगा?

खाइवाल- आईपीएल का सट्टा लाइन पर चलता है। लाइन का नंबर छोटे शहरों में बैठे बुकी के पास होता है। बुकी ही लोगों को सट्टा खिलवाते हैं। मैच शुरू होने के साथ भाव तय होता है। मजबूत और कमजोर टीम के हिसाब से लाइन पर भाव आते हैं। इस भाव के आधार पर ही युवा बुकी के जरिए सट्टे पर रुपए लगाते हैं। इसके अलावा प्रति ओवर, प्रति बाल के हिसाब से भी लोग सट्टा लगाते हैं। सट्टा लगाने वाले व्यक्ति को लाइन कहा जाता है, जो एजेंट यानी पंटर के माध्यम से बुकी (डिब्बे) तक संपर्क करता है। एजेंट को एडवांस देकर अकाउंट खुलवाना पड़ता है, जिसकी एक लिमिट होती है।

हरिभूमि- सट्टे का भाव कैसे तय होता है, कौन तय करता है

खाइवाल- सट्टे के भाव को डिब्बे की आवाज बोला जाता है। आईपीएल क्रिकेट में सट्टेबाज 20 ओवर को लंबी पारी, दस ओवर को ⏭शेष पेज 7 पर

- यह सिर्फ चंद ऊटपंटाग शब्द लेकिन इनके बोलने में करोड़ों का लेनदेन हो रहा
- आईपीएल के साथ ही शुरू हो गया सट्टेबाजों का त्यौहार बेटिंग ऐप के जरिए पूरा खेल



पुलिस की पैनी नजर

आईपीएल मैच शुरू होते ही सटोरियों पर पुलिस की पैनी नजर है। सट्टे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा। टीम जांच में जुटी हुई है।

- अजय सिंह, डीएसपी क्राइम भिलाई-दुर्ग

सट्टे की भाषा

बुकी	-	डिब्बा
एजेंट	-	पंटर
क्लाइंट	-	लाइन
एक लाख	-	एक पैसा
सवा लाख	-	सवा पैसा
25 हजार	-	चवन्नी

पंटर से बातचीत

हरिभूमि: आईपीएल मैच शुरु हो गया क्या रेट चल रहा है ?

पंटर: पहला दिन है भैया कम चल रहा है लेकिन 86-87 का रेट है।

हरिभूमि: भिलाई-दुर्ग में सट्टा के कारोबार का क्या जलवा है?

पंटर: सबसे पास स्मार्ट फोन आ चुका है उसी से ऑनलाइन होता है अब।

हरिभूमि: पुलिस का डर नहीं रहा है क्या अब कि सेटिंग है?

पंटर: कहां भैया पुलिस को जैसे जानकारी मिलती है रेड करती है, इस कारण छिप कर कारोबार चलता है।

हरिभूमि: पहला दिन कारोबार कैसा रहता है खेलने वाले कितने होते हैं?

पंटर: शुरुआत में काफी कम रहता है जैसे जैसे मैच होता भीड़ बढ़ती है, खेलने वाले पहले से काफी सजग हो गए है। इस कारण कारोबार अभी मंदा है।







भारत के इस रेलवे स्टेशन पर कभी नहीं रुकती यात्री ट्रेन कभी सफर करते थे दिग्गज नेता, आज कोई पूछता भी नहीं!

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क माना जाता है, जहां से हजारों ट्रेन रोजाना संचालित होती हैं, जो एक राज्य से दूसरे राज्य होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। इस दौरान लोग अपनी सुविधा अनुसार टिकट बुक करते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं भारतीय रेलवे का इतिहास काफी रोचक भर रहा है। आज आपको उस रेलवे स्टेशन के बारे में बताएंगे, जो भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन है, लेकिन यहां आज तक कोई भी ट्रेन नहीं रुकी है। हालांकि, इस रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म भी है और यहां रेलवे कर्मचारियों को भर्ती भी दी जाती है।

राजनीतिक हस्तियां करते थे इस्तेमाल



इस स्टेशन की खास बात यह है कि यहां साइन बोर्ड पर आज भी भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन लिखा हुआ है, जिसे ब्रिटिश काल में बनाया गया था, ताकि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों को मजबूत किया जा सके। साथ ही एक देश से दूसरे देश में समान आयात और निर्यात कर सके। हालांकि, आज यह रेलवे स्टेशन बिल्कुल सुना पड़ चुका है। आजादी से पहले महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस जैसे राजनीतिक हस्तियां ढाका जाने के लिए इस रेलवे स्टेशन से ही यात्रा तय करते थे।



भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है सिंघाबाद

भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन भारत बांग्लादेश सीमा पर स्थित सिंघाबाद रेलवे स्टेशन को माना जाता है, जहां से भारत की सीमा खत्म हो जाती है और बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। यहां प्लेटफार्म के साथ-साथ रेलवे स्टाफ भी है, लेकिन यहां पर कोई भी ट्रेन नहीं रुकती है।

यह उठाते हैं जिम्मेदारी

आज समय बदल चुका है, यहां एक भी ट्रेन नहीं रुकती और ना ही कोई भी यात्री यहां पर आता है। केवल मालगाड़ी ही आती जाती है। साल 1978 के बाद समझौते के तहत इस रेलवे स्टेशन का इस्तेमाल केवल मालगाड़ियों के लिए किया जाने लगा। सूनसान प्लेटफार्म, खाली टिकट काउंटर के बावजूद यह रेलवे स्टेशन संचालित है। जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे डिपार्टमेंट के साथ-साथ केंद्र सरकार की भी है।

रोचक खबरें



ट्रेनों में क्यों लगे होते हैं लाल-नीले और हरे रंग के कोच? सबका कारण अलग-अलग

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे को देश के लाइफलाइन के नाम से जाना जाता है। इंडियन रेलवे से हर रोज लाखों लोग सफर करते हैं। आपने भी कभी ना कभी किया होगा। आपने भी कभी ना कभी ट्रेन से जरूर सफर किया होगा लेकिन क्या कभी आपने ध्यान दिया है कि आखिर रेलवे की ट्रेनों में लाल–नीले और हरे रंग के कोच क्यों लगे होते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं रेलवे के ट्रेनों में लाल–नीले और हरे रंग के कोच क्यों लगे होते हैं।

नीला आईसीएफ, लाल एलएचबी कहलाता है : ट्रेन के नीले रंग के कोच को आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) कहा जाता है, जबकि लाल रंग के कोच को एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) के नाम से जाना जाता है। इन दोनों कोच में केवल रंग का ही अंतर नहीं होता, बल्कि ये एक दूसरे से कई मायनों में अलग होते हैं।

नीले रंग के कोच की स्पीड लिमिट : नीले रंग के डिब्बों का इस्तेमाल ज्यादातर मेल एक्सप्रेस और इंटरसिटी ट्रेनों में होता है। इनमें एयर ब्रेक होते हैं। ये कोच जिन ट्रेनों में इस्तेमाल किए जाते हैं उनकी स्पीड लगभग 70 से 140 किलोमीटर प्रतिघंटे की होती है।

200 किमी स्पीड पर दौड़ते हैं लाल रंग के कोच : लाल रंग के कोच को लिंक हॉफमेन बुश कोच कहा जाता है। इनका इस्तेमाल आमतौर पर राजधानी और शताब्दी जैसी ट्रेनों में किया जाता है। इन ट्रेनों की स्पीड 200 किलोमीटर प्रतिघंटे तक हो सकती है।

ये है भारत का छुपा हुआ यूरोप, इन जगहों पर देखें स्कॉटलैंड से लेकर स्विट्जरलैंड जैसे नजारे

नई दिल्ली। भारत का नाम दुनिया के सबसे खूबसूरत देशों में शामिल है। यहां की संस्कृति, परंपरा, रहन-सहन और इतिहास हमेशा से लोगों को आकर्षित करता आया है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में बसे राज्यों की परंपराओं, त्योहार और इतिहास को जानने के लिए देश ही नहीं विदेशों से भी पर्यटक पहुंचते हैं। यहां घूमने के लिए बहुत कुछ मौजूद है और अगर हम आपको यह कहें कि आपको यूरोप भी भारत में मिल जाएगा तो आप क्या कहेंगे। जाहिर सी बात है आपको हैरानी होगी लेकिन यह बात वाकई में सच है।

शिमला

शिमला देश के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन में से एक है। अक्सर लोग यहां



घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह कपल्स के बीच हनीमून डेस्टिनेशन के तौर पर भी प्रसिद्ध है। जब आप यहां जाएंगे तो आपको अद्भुत प्राकृतिक नजारों के साथ खूबसूरत वास्तुकला का दीदार करने को भी मिलेगा। यहां की हरी भरी पहाड़ियां और वास्तुकला आपको इंग्लैंड में होने का अहसास कराएगी।

हर राज्य अपने-अपने कारणों से प्रसिद्ध

भारत का हर राज्य अपने अलग रहन-सहन, बोली, खान-पान और संस्कृतियों के लिए प्रसिद्ध है। आज हम आपके यहां के कुछ ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताते हैं। जहां जाने के बाद आपको ऐसा लगेगा कि आप यूरोप घूम रहे हैं। यूरोप की खूबसूरती को दुनिया भर में पसंद किया जाता है। देश के इन स्थानों पर जाने के बाद आपको वही घूमने का एहसास होगा।





ऊटी

ऊटी भारत की सबसे सुंदर स्थान में से एक है। इस जगह के बगीचे और झीलें बहुत ही सुंदर है। यहां प्रकृति के अद्भुत नजारे आपको स्कॉटलैंड की हरी भरी वादियों की याद दिला देंगे। **दार्जिलिंग :** दार्जिलिंग कितनी फेमस जगह है यह तो सभी लोग जानते हैं। इस जगह को अपने खूबसूरत चाय के बागान और कंचनजंगा के अद्भुत दृश्यों के लिए पहचाना जाता है। जब आप इस जगह पर दूर-दूर तक फैले नीले नीले पहाड़ देखेंगे तो आपको ऐसा लगेगा कि आप स्विट्जरलैंड में घूम रहे हैं।



मसूरी

मसूरी भारत के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशन में से एक है। इस जगह को पहाड़ों की रानी के नाम से पहचाना जाता है। दरअसल, यहां के दूर-दूर तक पहले पहाड़ इतनी खूबसूरत है कि किसी का भी दिल जीत सकते हैं। यहां के शांत वातावरण के बीच आप ऑस्ट्रिया के पहाड़ों की सुंदरता महसूस कर सकते हैं।

मुन्नार

यह बहुत ही अद्भुत और प्रसिद्ध हिल स्टेशन है। यहां का हरा भरा वातावरण और चाय के बागान आपके मन को अद्भुत सुकून देने का काम करेंगे। जब आप यहां जाएंगे तो आपको ऐसा लगेगा कि आप आयरलैंड के ग्रामीण इलाकों में घूम रहे हैं। यहां की खूबसूरती कमाल की है।

इस देश को मिला 700000000000 का दुर्लभ खजाना, बांट दे तो हर कोई बन जाए करोड़पति

नई दिल्ली। आपने अक्सर देश-दुनिया में करोड़ों-अरबों रुपये का खजाना मिलने की खबर सुनी होगी, लेकिन भारत का एक ऐसा फ्रेंडली देश है, जिसे 1-2 करोड़ नहीं, बल्कि 7 खरब रुपये का खजाना मिला है, वो भी कोयले की राख से. जी हां, आपको भी ये जानकर हैरानी जरूर हुई होगी। इस खोज से अमेरिका को दुर्लभ मृदा तत्वों के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और यह महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोत के रूप में कोयला राख को एक नई पहचान देगी।



अमेरिका को मिला दुर्लभ खजाना: दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका ने कोयले की राख के ढेर में छिपे 8.4 बिलियन डॉलर के खजाने की खोज की है। यह खजाना दुर्लभ मृदा तत्वों से भरा हुआ है, जो स्मार्टफोन, अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी और उच्च-प्रदर्शन वाले उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल होते हैं।

शोधकर्ताओं ने की ये खोज : यह खोज टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है। उन्होंने पाया कि अमेरिका के कोयला राख भंडारों में ये दुर्लभ तत्व प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। यह खोज अमेरिका की दुर्लभ मृदा तत्वों के आयात पर निर्भरता को कम कर सकती है।

औद्योगिक कचरा : कोयला राख, कोयले को जलाने के बाद बचा हुआ पाउडर जैसा उत्पाद है, जिसे लंबे समय से औद्योगिक कचरा माना जाता रहा है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इसे दुर्लभ मृदा तत्वों का एक बड़ा स्रोत बताया है।

हरे-भरे चमत्कार : एक पेड़ जो 'चलता' है, तो कोई है बेहद जहरीला, छूते ही चली जाती है जान

नई दिल्ली। पेड़ धरती की बाहें हैं। वो बाहें जो हम सबको अपनी छाया में समेट लेती हैं। पेड़ हमें सांस देते हैं, भोजन देते हैं और आश्रय के बनाने के लिए लकड़ियां भी। इन सबसे बढ़कर वो हमें एक हरा-भरा संसार देते हैं। हमारी दुनिया को सुंदर बनाते हैं। पेड़ हमें सिखाते हैं कि खुद धूप सहकर भी दूसरों को छाया दी जा सकती है..और जड़ों से जुड़े रहकर भी आकाश छुआ जा सकता है। पेड़ और जंगल हमें जीने की कला सिखाते हैं। धरती पर जीवन बना रहे, इसके लिए पेड़ों का बचे रहना जरूरी है। अगर हम पेड़ों को बचाएँगे तो ये भी हमें बचाएँगे। ये न सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। जंगल कई जीव-जंतुओं का घर होते हैं और बारिश लाने में भी मदद करते हैं।



सबसे पुराना जीवित पेड़ – ओल्ड टीजिक्को : क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी पर सबसे पुराने पेड़ की आयु क्या है। ये पेड़ स्वीडन में स्थित एक नॉर्वे स्प्रूस है, जिसे "ओल्ड टीजिक्को" कहा जाता है। ये दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात जीवित पेड़ माना जाता है। इसकी उम्र लगभग 9500 साल आंकी गई है।

पेड़ों का "वुड वाइड वेब" : पेड़ एक-दूसरे से बात करते हैं, और यह कोई काल्पनिक बात नहीं है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पेड़ माइकोराइज़ल फंगी (जड़ों से जुड़े फंगल) के नेटवर्क के माध्यम से संचार करते हैं, जिसे "वुड वाइड वेब" कहा जाता है। इस नेटवर्क के जरिए पेड़ पोषक तत्वों और जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं।

शादी के दिन दूल्हे की पिटाई तो यहां होता है दुल्हन का अपहरण, दुनियाभर में विवाह से जुड़ी मजेदार रस्में

नई दिल्ली। शादी जीवन का एक अहम पड़ाव होता है। विवाह पर दुनियाभर में विभिन्न तरह की रस्में निभाई जाती हैं। स्थानीय परंपराओं, धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं के अनुसार इन रीति-रिवाजों का निर्धारण होता है। विवाह के दौरान निभाई जाने वाली रस्में अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं का प्रतिबिंब होती हैं। इन रस्मों के पीछे विशेष कारण और महत्व होता है। उदाहरण के लिए, हिंदू विवाह में सप्तपदी (सात फेरे) लिए जाते हैं जो पति-पत्नी के बीच सात वचनों का प्रतीक हैं। मुस्लिम विवाह में निकाह की रस्म होती है, जिसमें काजी की उपस्थिति में इजाब (प्रस्ताव) और कबूल (स्वीकृति) की प्रक्रिया संपन्न होती है। ईसाई विवाह में चर्च में प्रार्थना और वचनों का आदान-प्रदान होता है।



दुल्हन का रोना

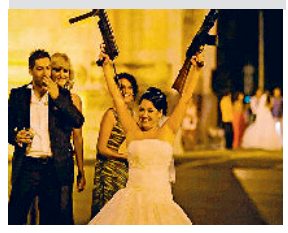
चीन के सिचुआन प्रांत में तुजिया समुदाय की दुल्हनें शादी से एक महीने पहले से रोजाना एक घंटे रोने की रस्म निभाती हैं। यह परंपरा उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति और वैवाहिक जीवन में आने वाली चुनौतियों की तैयारी का प्रतीक मानी जाती हैं।

दूल्हा-दुल्हन का गायब होना : अगर दूल्हा-दुल्हन शादी के बाद गायब हो जाएं तो फिर क्या होगा। वेनेजुएला में ऐसा होना आम है। यहां शादी के बाद नवविवाहित जोड़ा बिना किसी को बताए समारोह से चुपचाप निकल जाता है। इस रस्म को उनके वैवाहिक जीवन में सौभाग्य लाने वाला माना जाता है।

दुल्हन का अपहरण

रोमानिया में शादी से पहले दुल्हन के दोस्तों, परिवार या भाड़े के अपहरणकर्ताओं द्वारा दुल्हन का अपहरण करने की परंपरा है। इसके बाद दूल्हे को फिरौती देकर या रोमांटिक इशारों से दुल्हन को छुड़ाना होता है। यह रस्म नए जोड़े के लिए सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए निभाई जाती है।

ब्लैकनिंग रस्म > स्कॉटलैंड में शादी से पहले दोस्तों और परिवार द्वारा दूल्हा दुल्हन पर कालिख, आटा और अन्य चिपचिपी चीजें फेंकी जाती हैं।





दूल्हे की पिटाई

दक्षिण कोरिया में शादी से पहले दूल्हे के पैरों को रस्सी से बांधकर उसके तलवों पर मछली या लकड़ी से मारने की रस्म होती है। इसे दूल्हे की सहनशक्ति और चरित्र की परीक्षा के रूप में देखा जाता है।

क्रॉकरी तोड़ना

आमतौर पर शादी में नए जोड़े को बर्तन तोहफे में दिए जाते हैं जो उनकी गृहस्थी में काम आ सकें। लेकिन जर्मनी में शादी के दिन मेहमान दुल्हन के घर इकट्ठा होकर चीनी मिट्टी के बर्तन तोड़ते हैं। इसके बाद नवविवाहित जोड़ा मिलकर इन टुकड़ों की सफाई करता है। ये उनके संयुक्त जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की क्षमता का प्रतीक माना जाता है।

समुद्री जहाज की स्पीड पर लहरों और हवा का असर



नई दिल्ली। जहाज के बारे में हम सभी जानते हैं। समुद्री जहाज सबसे बड़े परिवहन साधनों में से एक माना जाता है, जो एक देश से दूसरे देश समान आयात और निर्यात करते हैं। कई प्रकार के जहाज होते हैं। जिनमें क्रूज, युद्ध पोत या फिर वोट शामिल हैं। हर किसी का कार्य अलग-अलग होता है। यह उनकी स्पीड पर भी निर्भर करती है। यह देखने में काफी विशालकाय होती है। जिसके सामने जाने पर यह बिल्कुल पहाड़ जैसी लगती है। इसे देखकर लोगों के मन में तमाम तरह के प्रश्न भी उठते हैं। जिनमें एक यह भी प्रश्न है कि समुद्री जहाज की स्पीड कितनी होती है। यात्री जहाज हो या फिर माल वाहक जहाज हो या फिर वोट हो पानी में चलने वाले समुद्री जहाज की स्पीड जानकर कोई भी हैरान रह जाएगा।

क्या होता है नॉट : अब मन में यह प्रश्न उठ रहा होगा कि नॉट क्या होता है। तो सबसे पहले हम आपको यह बता दें कि यह समुद्री गति मापने की एक इकाई है, जो कि 1.852 किलोमीटर प्रति घंटे के बराबर होती है। पानी की लहरों के कारण इसकी स्पीड कम हो जाती है।

20 से 25 नॉट, यानी 37 से 46 किमी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमतौर पर समुद्री जहाज की स्पीड 20 से लेकर 25 नॉट यानी 37 से 46.3 कम प्रति घंटे की होती है, जो कि इंजन की क्षमता पर निर्भर करती है। वहीं, यदि मॉडर्न जहाजों की बात की जाए तो इसकी स्पीड लगभग 30 नॉट यानी 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक होती है।

रिसर्च में मिला चौंकाने वाला सबूत

करोड़ों साल पहले धरती पर चलते थे पैरों वाले सांप

नई दिल्ली। सांप देखने में जितने खतरनाक और फुर्तीले लगते हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। उनकी लहराती चाल और जहरीली जीभ हर किसी को हैरान करती है लेकिन एक सवाल जो मन में आता है - इनके पैर कहां गए? क्या सांप हमेशा से ऐसे ही थे, या कुछ और कहानी है इसके पीछे? करोड़ों साल पहले सांप पैरों के सहारे चलते थे, नई रिसर्च में इस बात के सबूत मिले हैं। वैज्ञानिकों को मिले जीवाश्मों से पता चला है कि सांपों का विकास पहले की सोच से काफी अलग हो सकता है।

पहले थे पैरों वाले सांप

रिसर्च से जो जानकारी सामने आई है उसे जानकर आप चौंक जाएंगे कि लाखों-करोड़ों साल पहले सांपों के पास पैर हुआ करते थे। जी हां, उनके पुरखे पैरों के साथ घूमते थे! आज भी उनके डीएनए में पैरों के निशान छिपे हैं, पर अब वो गायब हो चुके हैं। ऐसा करीब 10 करोड़ साल पहले हुए बदलाव की वजह से हुआ।



विज्ञान ने खोला राज

वर्ष 2016 की एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने सांपों और छिपकलियों के डीएनए की तुलना की। पता चला कि छिपकलियों में कुछ खास डीएनए हिस्से एसएचएच जीन को चालू रखते हैं। सांपों में ये हिस्से धीरे-धीरे खत्म हो गए, जिससे पैर बनना बंद हो गया।

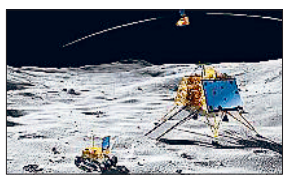
पायथन में पैरों के निशान

कुछ सांपों में आज भी पैरों के छोटे-छोटे संकेत मिलते हैं। जैसे पायथन के भ्रूण में पैर बनने शुरू होते हैं, पर जन्म से पहले रुक जाते हैं। इसीलिए पायथन के पिछले हिस्से में छोटे पंजों जैसे निशान देखने को मिलते हैं।

जीन का खेल सांपों के पैर गायब होने की वजह है एक खास जीन - 'सोनिक हेजहोग'। ये जीन शरीर में पैर जैसे अंग बनाने का काम करता है। छिपकलियों में ये जीन चालू रहता है, इसलिए उनके पैर बनते हैं लेकिन सांपों में ये जीन सो गया और पैरों का विकास रुक गया। माना जाता है कि इसी के बाद से सांप ने रेंगना शुरू कर दिया और अब उसकी प्रजाति ही वैसी हो गई।

खबर संक्षेप

चंद्रयान-3 ने हासिल की एक और उपलब्धि



नई दिल्ली। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर पानी और बर्फ की खोज की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। चंद्रमा की सतह तापीय भौतिकी प्रयोग (सीएचएएसटीई) से पानी और बर्फ की खोज में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। विक्रम लैंडर द्वारा किए गए इस प्रयोग ने चांद की उच्च अक्षांश वाली मिट्टी (रेगोलिथ) से असाधारण इन-सीटू तापमान माप प्रदान किए हैं, जिससे चांद के तापीय वातावरण के साथ-साथ पानी और बर्फा के जमा होने की संभावना की उम्मीद जगी है। इसरो के भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) से के दुर्गा प्रसाद ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'पानी और बर्फ का पता लगाना चंद्रमा पर इंसानों के जीवन की संभावना और आगे की खोज के लिए एक अहम कदम है। चांद के तापमान न केवल पानी और बर्फ को निर्धारित करते हैं, बल्कि यह अन्य वैज्ञानिक और अन्वेषण पहलुओं को भी प्रभावित करते हैं।' चंद्रयान-3 मिशन से प्राप्त नई जानकारी को नेचर कम्युनिकेशन अर्थ एंड इनवायरमेंट पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

पांच राज्यों के 14 नेताओं ने हिस्सा लिया बैठक में

तमिलनाडु सीएम स्टालिन की अध्यक्षता में चेन्नई में एकजुट हुए नेतागण

मीटिंग में पास हुआ ज्वाइंट एक्शन कमेटी की प्रस्ताव

'परिसीमन को 25 साल टालें और संविधान में संशोधन करें'

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

परिसीमन पर पहली संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) की बैठक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन की अध्यक्षता में चेन्नई में हुई। बैठक में पांच राज्यों के 14 नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) ने परिसीमन के मुद्दे एक प्रस्ताव पारित किया है।

प्रस्ताव में 'पारदर्शिता और स्पष्टता की कमी' पर चिंता जताई है। ऐसे में जेएसी ने केंद्र सरकार से किसी भी परिसीमन पर पारदर्शिता की मांग की है। इसके अलावा जेएसी ने परिसीमन को अगले 25साल के लिए टालने की अपील की है। जेएसी ने अपने पारित प्रस्ताव में संविधान में संसोधन की मांग की है। जेएसी का कहना है कि उन राज्यों की रक्षा और प्रोत्साहन के लिए संविधान में संसोधन जरूरी है, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया है। इसलिए उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में 1971 की जनगणना पर आधारित संसदीय क्षेत्रों की सीमा को 25 और वर्षों के लिए बढ़ा देना चाहिए।



किसने क्या कहा

खतरे में पड़ जाएगी हमारी पहचान : स्टालिन

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा, परिसीमन उन राज्यों को प्रभावित करेगा, जिन्होंने परिवार योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है, इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। मणिपुर दो साल से जल रहा है लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही है क्योंकि उनके पास उन्हें सुनने के लिए सांसद नहीं हैं। प्रतिनिधित्व खोने से धन और कानूनों पर अधिकार खो देंगे। छात्र, महिलाएं, किसान प्रभावित होंगे। इससे पहचान खतरे में पड़ जाएगी। हमारे अपने देश में हमारे पास राजनीतिक अधिकार नहीं होंगे।

हम परसीमन स्वीकार नहीं कर सकते : रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, दक्षिण जनसंख्या आधारित परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा। जनसंख्या आधारित परिसीमन के मामले में उत्तर (उत्तरी राज्य) हमें दोयम दर्जे का नागरिक बना देगा। आज देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। बीजेपी डेमोग्राफी पेनल्टी की पॉलिसी लागू कर रही है। हम एक देश हैं। हम इसका सम्मान करते हैं, लेकिन हम इस प्रस्तावित परिसीमन को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि यह हमें राजनीतिक रूप से सीमित कर देगा।

हमने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, किसी भी कीमत पर हम अपने देश को निराश नहीं कर सकते और हमारी सीटें कम नहीं हो सकतीं। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण भारत ने हमेशा जनगणना नियमों और परिवार नियोजन नीतियों को बरकरार रखा है, जिससे यह एक प्रगतिशील क्षेत्र बन गया है।

भाजपा जहां हारती वहां सीटें घटाती : मान

परिसीमन की बैठक में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, बीजेपी जहां जीतती है वहां सीटें बढ़ाना चाहती है और जहां हारती है वहां सीटें कम करना चाहती है।

जनसंख्या के आधार पर ना हो परिसीमन : पटनायक

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण बैठक है। यदि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया होता तो राष्ट्र को गंभीर संकट का सामना करना पड़ता. परिसीमन को जनसंख्या जनगणना के आधार पर लागू नहीं किया जाना चाहिए।

पटना, बिहार में सनसनीखेज वारदात

हॉस्पिटल में घुसकर महिला डायरेक्टर को गोलियों से भूना



मृतक डाक्टर ।



हत्या के बाद गमगीन अस्पताल कर्मचारी।

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार की राजधानी पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र के धानकी मोड़ के नजदीक दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने एक अस्पताल संचालिका को उनके ही अस्पताल के चेंबर में घुसकर गोलियों से भून डाला। गोली लगने से अस्पताल संचालिका की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से हथियार लहराते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पटना के अगमकुआं थाना सहित पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिटीएसपी पूर्वी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

बेखौफ अपराधियों ने डॉ. सुरभि को मारी 7 गोलियां हथियार लहराते हुए फरार

सिटी एसपी ने दी जानकारी

अगमकुआं थाना अध्यक्ष नीरज कुमार पांडे ने बताया कि, मृतक हॉस्पिटल संचालिका की पहचान सुरभि राज के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के पांच खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस घटना के बाद मौके पर डॉग स्क्वाड्न टीम और एफएसएल के माध्यम से छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगालना शुरू कर दिया है। घटना की पुष्टि करते हुए सिटीएसपी पूर्वी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चैंबर में दनदनाते घुसे हत्यारे

शनिवार की शाम करीब छह बजे अस्पताल में अचानक कुछ अपराधी घुस गए और दनदनाते हुए अस्पताल की डायरेक्टर सुरभि राज के चैंबर में घुस गए। जबतक कोई कुछ समझ पाता उन्होंने सुरभि राज पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इतने में लोग दौड़ते हुए उनकी चेंबर में आए लेकिन तबतक अपराधी हथियार लहराते हुए भाग निकले। हॉस्पिटल के स्टाफ घायल सुरभि को इलाज के लिए पटना एम्स लेकर पहुंचे लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। फिलहाल यह जानकारी सामने नहीं आई कि अस्पताल संचालिका की हत्या किसने और क्यों की।

लद्दाख में चीन ने बनाईं दो नई काउंटी सरकार ने संसद में दी जानकारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



नई दिल्ली ने बीजिंग के सामने जताया है विरोध

केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि चीन ने भारतीय सीमा पर दो काउंटी बनाई हैं, जिनमें से कुछ हिस्से लद्दाख में आते हैं। इसको लेकर भारत की ओर से राजनयिक माध्यमों के जरिए कड़ा विरोध जताया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया, 'भारत सरकार ने उक्त क्षेत्र में भारतीय भू-भाग पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नई काउंटी बनाए जाने से न तो इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के संबंध में हमारे दीर्घकालिक रुख पर कोई असर पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी।' सरकार से पूछे गए इस सवाल में भारतीय सीमा के अंदर बनी काउंटी के खिलाफ भारत की ओर से दर्ज कराए गए विरोध का विवरण भी मांगा गया है। साथ ही चीन सरकार की ओर से अगर कोई प्रतिक्रिया आई हो तो उसकी जानकारी भी मांगी गई। सिंह ने कहा कि सरकार ने राजनयिक माध्यमों से इन घटनाक्रमों पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

भारत बोला- अमेरिकी कानून का पालन करें भारतीय छात्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका में हमास समर्थक भारतीयों पर एक्शन के बाद गाइड लाइन जारी

भारतीय रिसर्चर बदर खान सूरी और पीएचडी स्टूडेंट रंजनी पर हमास और फिलिस्तीन का समर्थन करने का आरोप लगा है। इसके बाद अब भारत सरकार ने अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों के लिए गाइडलाइन जारी की है। सरकार ने कहा है कि छात्र अमेरिकी कानूनों का पालन करें। दरअसल, अमेरिकी सरकार विदेश नीति का विरोध करने वाले छात्र कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर रही है। इसे देखते हुए सरकार ने ये गाइडलाइन जारी की है। बीते दिनों एक भारतीय छात्र बदर खान सूरी को हमास का प्रोपेगैंडा फैलाने और इजराइल का विरोध करने के चलते गिरफ्तार किया गया था। वहीं, एक स्टूडेंट रंजनी श्रीनिवासन के फिलिस्तीन समर्थक रैली में शामिल होने के चलते उसका वीजा रद किया गया था।

दंगाइयों से की जाएगी नागपुर दंगे में हुए नुकसान की भरपाई

मकान पर भी चलेगा बुलडोजर

एजेंसी ▶▶| नागपुर

नागपुर में 17 मार्च 2025 को हुई हिंसा मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा ऐलान किया है। यूपी में दंगाइयों से निपटने के लिए योगी सरकार वाला तरीका महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने भी अपना लिया है। सीएम फडणवीस ने आदेश दिया है कि नागपुर में हुए दंगों के दौरान हुए नुकसान की लागत दंगाइयों से वसूला जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा



"अगर दंगाई नुकसान की भरपाई करने में विफल रहते हैं, तो उनकी संपत्ति को नीलाम कर दिया जाएगा और नुकसान की राशि उससे वसूली जाएगी।

हिंसा के पांचवें दिन एक शख्स की मौत

नागपुर हिंसा में घायल 40 साल के इरफान अंसारी की शनिवार दोपहर 1:20 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 17 मार्च से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीजीएमसीएच) में भर्ती था। वेल्डर अंसारी सोमवार रात करीब 11 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था। हिंसा से प्रभावित इलाकों में से एक नागपुर रेलवे स्टेशन भी है।



फिल्म छावा के बाद से शुरू औरंगजेब विवाद की आंच में नागपुर झुलस गया। अमूमन शांत रहने वाली संतरा नगरी में औरंगजेब की कब्र और सोशल मीडिया पर अफवाह को लेकर हुई हिंसा चिंता पैदा करती है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे सुलझे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह की अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? नागपुर में हिंसा के दौरान भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा। इसके पीछे कौन लोग हैं, किनकी साजिश है? यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न दिखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा नहीं बना जा सकता। औरंगजेब की कब्र, आयत अफवाह के पीछे की साजिश व राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझें



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। केवल तत्कालीन गुस्से में हुई त्वरित प्रतिक्रिया में इस तरह की हिंसा संभव नहीं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बयान भी दिया कि यह एक सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। वैसे भी इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव ही नहीं है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नागपुर हिंसा मामले में 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी।



औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध

संक्षेप में घटनाक्रम को देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। एक तरफ यह हो रहा था और दूसरी तरफ माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचे और लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। इसके साथ सोशल मीडिया पर चारों तरफ इसकी अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई हैं, लोगों को घर से निकलने की अपील की गई।

सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में उनके दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम थाने से आकर 400-500 लोगों के साथ, जिनके हाथों में हथियार थे, ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हथियार दिखाकर लोगों को डराना शुरू किया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हो, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों, पत्थरों, लाठी, रॉड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो अब इन पर टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की कैसी मनोदशा होगी। भीड़ द्वारा भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई।

महिला पुलिस के साथ दुर्व्यवहार

सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में एक विशेष समुदाय के लोगों ने बिल्कुल आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में एकत्रित होकर हिंसा शुरू की। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले दागे गए।

दुकानें सुबह से ही बंद क्यों रखी गईं

नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पार्ट्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़ियां इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, 'जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

झूठा प्रचार कर भड़काई गई हिंसा

इस तरह की भयानक घटना को अगर हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट नाम बोला जाए तो फिर परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था।

कोई संगठन या संगठनों का समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले करने की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं। भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं।

इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों

मानकर चलना चाहिए कि इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाना ही ऐसी समस्याओं के निदान का आधार नहीं हो सकता। यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। आखिर कोई समूह औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गया? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या अपने इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं, कहां से पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है।

बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति

केवल औरंगजेब नहीं, उत्तर प्रदेश से महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर, लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होता? यह ऐसी विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध हर तरह के अत्याचार, उनके पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करने को सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ हर तरह के बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है। यह चिंतनीय है, सरकार देखे।

औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का कारण बना हुआ है तथा भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करने के समान है जो भविष्य में सबके लिए आत्मघाती साबित होगा।

शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, 'नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।' हिंसा कौन कर रहे थे यह साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ ही दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित।

सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। हमारा मानना है कि आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

भविष्यदृष्टा नहीं हो सकती इतिहासजीवी राजनीति



दो टूक

राज कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और फिर से विश्व गुरु बनने को आतुर भारत की परिपक्वता पर सवालिया निशान भी है कि 21वीं शताब्दी में वह 17वीं शताब्दी के इतिहास का बंधक नजर आये। तात्कालिक संदर्भ 1707 में दुनिया से विदा हो चुके मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र का है, जिसे तोड़ने की मांग 21वीं शताब्दी में कुछ संगठनों का एजेंडा बन गयी है। लगभग 49 साल भारत पर शासन करने वाले औरंगजेब की क्रूरता के किस्से इतिहास में भी कम नहीं मिलते, पर उसकी कब्र से बदला लेकर गौरव बहाल करने की सोच विवादास्पद फिल्म छावा से उपजी है। विडंबना देखिए कि जवाब में औरंगजेब की महानता का बखान करने वाले भी पीछे नहीं रहना चाहते। एक आक्रांता में नायक देखने वाले या तो मानसिक विकृति से ग्रस्त हैं या किसी फिर साजिश का हिस्सा। बेशक औरंगजेब और उसकी कब्र पर विवाद नया नहीं है। ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मुखिया, सांसद असदुद्दीन ओवेसी ही कम से कम दो बार औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ाकर महाराष्ट्र में अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन अक्सर शांति, सौहार्द और विकास के लिए चर्चा में रहने वाले नागपुर को झुलसा देने वाली सांप्रदायिक हिंसा को तीली दिखाने का काम सपा नेता अबू आजमी ने किया।

छावा का सांप्रदायिक धावा

अपनी बयानबाजी से अतीत में भी विवादों में रहे अबू आजमी ने इस बार औरंगजेब को 'अच्छा बादशाह' होने का प्रमाणपत्र देने का जिम्मा उठाया। यह बहस का विषय है कि अबू को यह मौका फिल्म छावा से औरंगजेब के विरुद्ध भड़कती भावनाओं और बयानबाजी ने दिया या उन्होंने स्वयं लपक लिया। लपकने की कला में ज्यादातर राजनेता कुशल होते हैं। आजमी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे पर आजमी ने कहा कि उसने कई मंदिर बनवाये भी। आजमी ने दावा किया कि औरंगजेब 'महान प्रशासक' था, जिसकी सेना में कई हिंदू कमांडर भी थे। हालांकि विवाद बढ़ते देख विधानसभा से निलंबन के बाद आजमी ने अपना बयान वापस ले लिया। अबू आजमी ने सफाई भी दी कि उन्होंने तो असम के मुख्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से किये जाने पर प्रतिक्रिया दी और औरंगजेब की बाबत कई इतिहासकारों द्वारा लिखी गयी बातों को ही दोहराया था। कहना मुश्किल है कि बिना विवाद के छावा बॉक्स ऑफिस पर ऐसी सफलता हासिल कर पाती। छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज पर केंद्रित छावा में औरंगजेब की क्रूरता से महाराष्ट्र के बाहर भी भावनाएं भड़कने की खबरें आयीं। इतिहास में कई तरह के संदेह और सवालों से घिरे संभाजी तो छावा से नायक बन गये, लेकिन भारत और भारतीयों के दमन और शोषण से दागदार दामनवाले औरंगजेब की खलनायकी के जख्म ताजा हो गये।

देर से जागा पुलिस-प्रशासन

खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नागपुर हिंसा के लिए छावा फिल्म को जिम्मेदार



बताया। ऐसे में मराठी साहित्यकार शिवाजी सावंत के उपन्यास छावा पर बनी इस फिल्म को भाजपा शासित राज्यों में टैक्स फ्री करने की होड़ और उसके मंसूबों पर भी सवाल उठेंगे ही। फिल्म में चित्रित औरंगजेब की क्रूरता और उसके द्वारा संभाजी महाराज की यातनापूर्ण हत्या के मद्देनजर हिंदूवादी संगठनों ने उसकी कब्र तोड़ने की मांग उठायी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी वहीं है। हिंसा के बाद पुलिस-प्रशासन जितना चुस्त नजर आया, अगर वैसा पहले से रहता तो नागपुर को झुलसने से बचाया जा सकता था। आम तौर पर मुगल बादशाहों की कब्र या मकबरे शानदार हैं, लेकिन औरंगजेब की कब्र अपवाद है। कहा जाता है कि खुद औरंगजेब चाहता था कि उसे आध्यात्मिक गुरु सूफी संत शेख जैनुद्दीन की दरगाह के पास ही दफना कर साधारण कब्र बनायी जाये। पहले यह मिट्टी की बनी साधारण कब्र थी, जिस पर अंग्रेज शासन के दौरान वायसराय लार्ड कर्जन ने संगमरमर और जाली लगवायी। इतिहास बताता है कि भारत में मुगल सल्तनत का सर्वाधिक विस्तार औरंगजेब के शासनकाल में ही हुआ, पर उसी के अंतिम दिनों में वह सिमटने भी लगा था। मराठा साम्राज्य का दबदबा बढ़ने लगा था। ताजा विवाद शुरू भले महाराष्ट्र से हुआ, लेकिन वहां तक सीमित नहीं रहा। आक्रांताओं का महिमा मंडन करने वालों को सबक सिखाने की धमकियां राष्ट्रव्यापी हैं। मनोविज्ञान को समझें तो इतिहास बेहद संवेदनशील जटिल चीज है। प्रतिशोध मानवीय स्वभाव है, जिसके चलते ज्यादातर विवाद और झगड़े होते हैं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा भी नहीं बना जा सकता। इसलिए हमें व्यक्ति हो या राष्ट्र, सभी के जीवन में इतिहास की सही भूमिका समझनी चाहिए। निश्चय ही इतिहास से नजरें चुराकर उसे भूलना आत्मघाती भी साबित हो सकता है, लेकिन इतिहास से प्रतिशोध के बजाय सही सबक सीखने चाहिए।

प्रतिशोध नहीं, सबक जरूरी

औरंगजेब की 300 साल पुरानी कब्र खोदने से यह ऐतिहासिक सच तो नहीं मिट जायेगा कि भारत पर लंबे समय तक मुगलों ने राज किया और उसमें भी सबसे लंबा शासनकाल औरंगजेब का रहा। कब्र तोड़ देने से औरंगजेब की क्रूरता के जख्मों का एहसास भी नहीं चला जायेगा। हां, अगर हम उन परिस्थितियों और कारणों का विश्लेषण कर सही सबक सीखें, जिनके चलते कभी सोने की चिड़िया कहा गया भारत एक-के-बाद-एक अनेक आक्रांताओं का गुलाम बना, तो शायद हमें अपना गौरव बहाल करने में मदद मिल पाये। बेशक यह कह देने जितना आसान भी नहीं है। यह तभी संभव है, जब हम बार-बार इतिहास के जख्म दिखाकर अपनी सत्ता राजनीति चमकाने के खेल के खतरों को समझें और यह काम कोई एक पक्ष नहीं कर सकता। कुछ दशकों से जिस तरह इतिहास या वर्तमान के जरिये भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति जोर पकड़ रही है, उसमें कई बार तो सुनियोजित मिलीभगत भी लगती है। अगर औरंगजेब के जरिये हताश असदुद्दीन ओवैसी और अबू आजमी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं तो उसकी कब्र खोदने की बात कहने वाले भी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की जवाबी भावनाओं के जरिये अपनी चुनावी बिसात ही बिछा रहे हैं। लगभग साढ़े तीन दशक पहले देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल पूरे देश में कारगर चुनावी रणनीति बन गया है। सम्भल, बहराइच से लेकर कर्नाटक में ठेकेदारी में भी अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण तक के पीछे यही मानसिकता काम कर रही है कि विकास से ज्यादा धार्मिक भावनाएं सत्ता राजनीति में संभावनाएं बेहतर बनाती हैं। जब तक राष्ट्र हित में समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक जीवित लोगों के बेहतर भविष्य के बजाय मुर्दा लोगों के नाम पर सत्ता राजनीति परवान चढ़ती रहेगी।

छावा विवाद से किसका नफा या नुकसान



विमर्श

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

राष्ट्रविरोधी ताकतों को फायदा

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा। इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है।

यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सीलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है।

सीएम के बयान पर भी विवाद

यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर

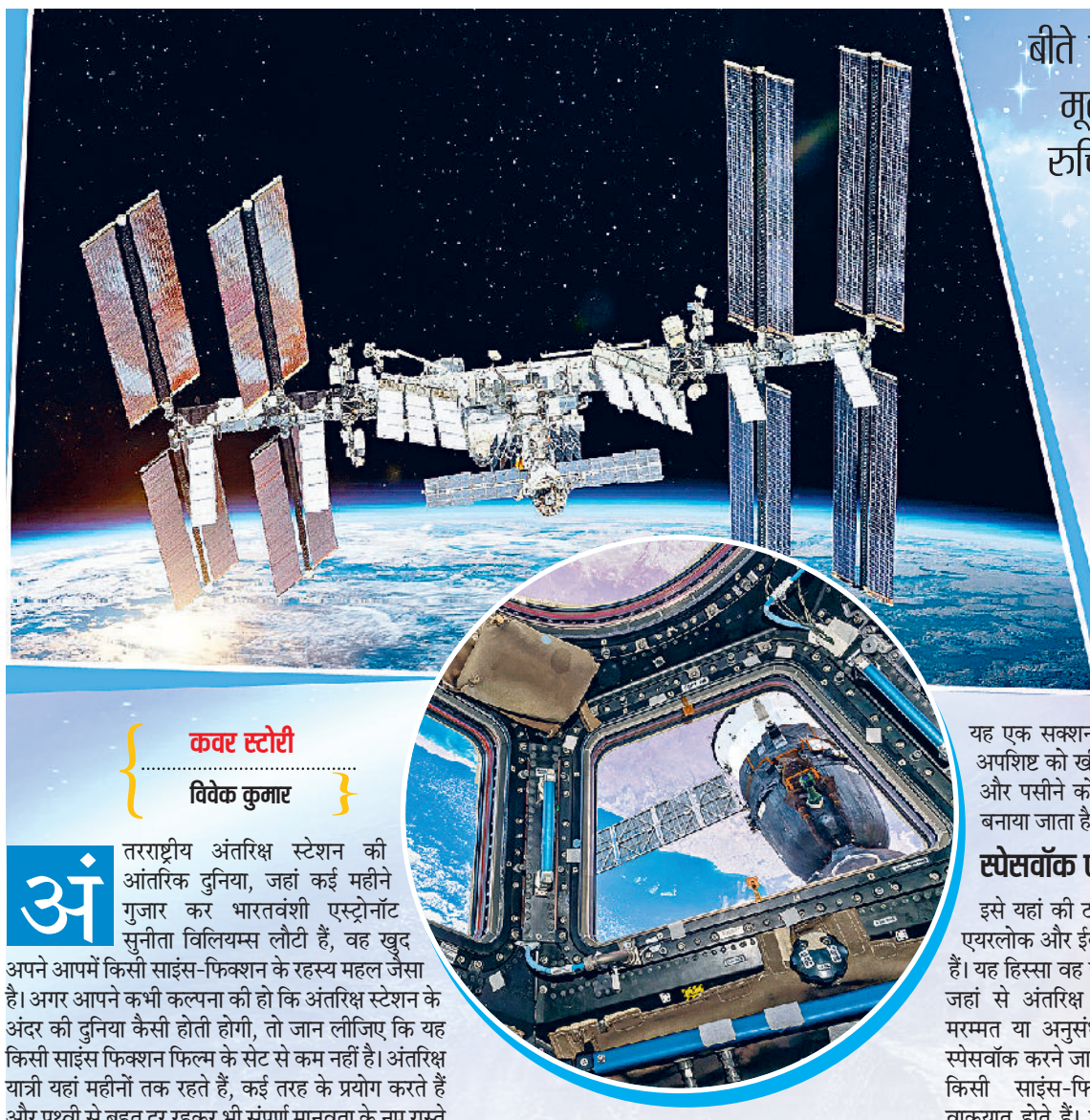


मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी। अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है। वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी?

सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। अब तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है।

खेमेबंदी को त्यागना जरूरी

इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी। भारतवासियों को अपनी तकदीर खुद लिखनी होगी।



बीते सप्ताह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में करीब नौ महीने गुजारने के बाद भारतीय मूल की अंतरिक्ष वैज्ञानिक सुनीता विलियम्स वापस धरती पर लौटी हैं। ऐसे में स्पेस साइंस में रुचि रखने वाले हर व्यक्ति के दिमाग में आईएसएस की संरचना, उसमें रहने के अनुभवों के बारे में कई सवाल उठ रहे हैं। ऐसे तमाम सवालों के जवाब आप यहां पा सकते हैं।

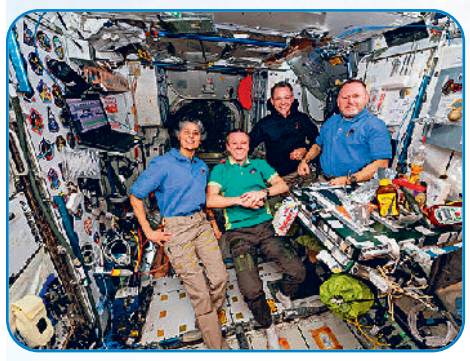
फिक्शन पैलेस जैसा हाईटेक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

कवर स्टोरी

विवेक कुमार

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की आंतरिक दुनिया, जहां कई महीने गुजार कर भारतवंशी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स लौटी हैं, वह खुद अपने आपमें किसी साइंस-फिक्शन के रहस्य महल जैसा है। अगर आपने कभी कल्पना की हो कि अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर की दुनिया कैसी होती होगी, तो जान लीजिए कि यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सेट से कम नहीं है। अंतरिक्ष यात्री यहां महीनों तक रहते हैं, कई तरह के प्रयोग करते हैं और पृथ्वी से बहुत दूर रहकर भी संपूर्ण मानवता के नए रास्ते खोलते हैं। ऐसे में आईएसएस की उस अनोखी दुनिया के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

स्पेस स्टेशन की आंतरिक संरचना



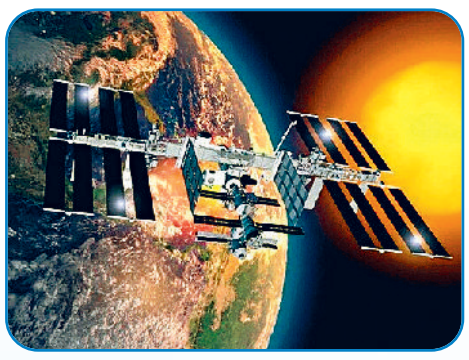
इसके अंदर तंग, लेकिन बेहद हाईटेक कॉरिडोर्स हैं। चूंकि अरबों डॉलर की लागत के बावजूद अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर जगह काफी सीमित है, इसलिए इसकी दीवारों में जगह-जगह मॉनिटर्स, वायरिंग और उपकरणों की भरमार है। यहां हर चीज मॉड्यूलर होती है-यानी जिसे जरूरत के हिसाब से जोड़ा या हटाया जा सकता है। तभी इतने ज्यादा और नए-नए वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं, जैसा कि खासतौर पर सुनीता विलियम्स और उनके साथियों ने किए। इस अंतरिक्ष स्टेशन में रहते हुए वैज्ञानिक बायोलॉजिकल, फिजिकल और मेडिकल क्षेत्र के तमाम प्रयोग करते हैं, जिसके निष्कर्षों का उपयोग भविष्य में स्पेस ट्रैवल और मानव जीवन को आसान बनाने के लिए होगा।

रहने के बने होते हैं अलग-अलग क्वार्टर्स

इसमें विशेष रूप से हर अंतरिक्ष यात्री के लिए एक छोटा, कैप्सूलनुमा सोने का स्थान होता है, जहां वे स्लीपिंग बैग में खुद को बांधकर सोते हैं ताकि तैरते न रहें। यहां मनोरंजन के लिए लैपटॉप, म्यूजिक प्लेयर और वीडियो कॉल की सुविधा भी होती है। यहां एक डाइनिंग एरिया भी होता है, जिसे गैलेली मॉड्यूल कहते हैं। यहां स्पेशल पैक किए गए फूड पाउच होते हैं, जिन्हें पानी या हीटिंग सिस्टम से खाया जा सकता है। कोई भी चीज प्लेट में नहीं रखी जा सकती। क्योंकि ऐसा करते ही वह हवा में तैरने लगेगी। इसीलिए यहां कॉफी भी स्पेशल सीलबंद कप में मिलती है।

दिखते हैं अद्भुत दृश्य

अंतरिक्ष स्टेशन के कुछ हिस्सों में बड़ी-बड़ी खिड़कियां होती हैं, जहां से अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी को घूमते हुए देख सकते हैं। सूरज यहां हर 90 मिनट में उगता और अस्त होता है। सूरज को एक ही दिन में कई बार उगते और डूबते देखना, यह एक अविश्वसनीय अनुभव होता है। अंतरिक्ष स्टेशन में कई उद्देश्यपूर्ण साइंस लैब बनाई गई हैं। ये लैब्स, अंतरिक्ष की विशेष परिस्थितियों में प्रयोगों के लिए बनाई गई



होती हैं, जहां मेडिकल, बायोलॉजिकल और फिजिकल रिसर्च किए जाते हैं। यहां प्लांट ग्रोथ, मानव शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का प्रभाव और रोगों के लिए नई दवाइयों पर रिसर्च भी होती है।

स्पेशल स्पेस टॉयलेट

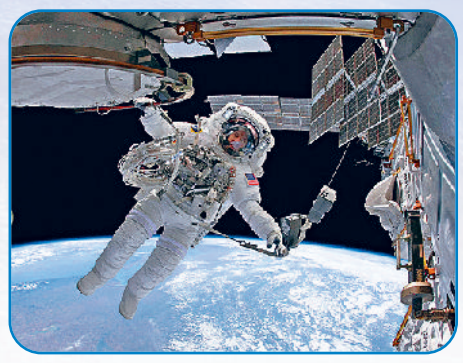
इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में बना टॉयलेट भी बहुत अलग होता है। यह एक सक्शन सिस्टम की तरह काम करता है, जो अपशिष्ट को खींचकर अलग रखता है। यात्रियों के मूत्र और पसीने को ही रिसाइकल करके पीने योग्य पानी बनाया जाता है।

स्पेसवॉक एरिया

इसे यहां की टर्मिनोलोजी में एयरलोक और ईवा जोन कहते हैं। यह हिस्सा वह जगह होती है, जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहरी मरम्मत या अनुसंधान के लिए स्पेसवॉक करने जाते हैं। कई बार किसी साइंस-फिक्शन जैसे वाकयात होते हैं। मसलन, कोई औजार हाथ से छूट गया तो वह हवा में तैरते-तैरते मॉड्यूल के दूसरी तरफ जाकर फंस जाता है। फिर उसे वापस लाने में खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

स्पेस स्टेशन में 'गूंजती' ध्वनि

चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन में हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण में होती है, इसलिए यहां आवाजें अलग तरीके से सुनाई देती हैं। कई बार यात्री अपने साथी को दूसरी तरफ से पुकारते हैं, लेकिन उन्हें दीवारों की गूंज सुनाई देती है। लेकिन इन्हीं स्थितियों में जिंदगी का लुत्फ भी लिया जाता है। मसलन, स्पेस स्टेशन में रहते हुए सुनीता विलियम्स ने अपना बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी किया, जिसमें केक को हवा में तैरते हुए काटा गया।



आम लोग भी जाएंगे वहां

जिस तरह तेजी से स्पेस टूरिज्म अब हकीकत बन रहा है। ऐसे में शायद आने वाले दशकों में आम आदमी भी पैसा खर्च करके कुछ दिनों के लिए स्पेस स्टेशन पर रह सकेगा। स्पेस स्टेशन में एक अनोखा अनुभव प्राप्त कर सकेगा। *



हवा में तैरते रहते हैं अंतरिक्ष यात्री

स्पेस स्टेशन के भीतर कोई 'ऊपर' या 'नीचे' नहीं होता। हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण अर्थात जीरो ग्रैविटी में होती है, जिससे यात्री तैरते हुए एक मॉड्यूल से दूसरे मॉड्यूल में आते जाते हैं। यह सब सुनने में कितना ही रोमांचक लगे लेकिन हकीकत में शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का कई तरह से असर पड़ता है। इसके चलते शरीर की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, मानसिक रूप से भी खुद को स्थिर रखना बहुत कठिन होता है।

अभूतपूर्व

संजय श्रीवास्तव

पूरे 287 दिन स्पेस स्टेशन में गुजारने के बाद सुनीता विलियम्स का सुरक्षित धरती पर लौटना एक अभूतपूर्व घटना है। सुनीता ने वहां जिस तरह अपना वक्त गुजारा, जिन कामों को अंजाम दिया और धैर्य से मुश्किलों का सामना किया, वो हर धरतीवासी के लिए एक प्रेरणा है।

धरती पर सुरक्षित लौटीं स्पेस क्वीन सुनीता विलियम्स

समुद्रतल से महज 408 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, हमारे सिर के ऊपर से न जाने कितनी बार गुजरा होगा, पर हमने शायद ही कभी नंगी आंखों से देखे जा सकने वाले इस स्टेशन पर निगाह डाली होगी। इस बात पर भी शायद ही कभी गहराई से गौर किया होगा कि किसी बड़े फुटबॉल मैदान के बराबर, 15 हजार करोड़ डॉलर लागत के इस स्टेशन पर मात्र आठ दिन के लिए गईं, लेकिन 287 दिन गुजारने के लिए मजबूर सुनीता विलियम्स ने बस कुछ क्रू सदस्यों के साथ अपने रुटीन लाइफ वाले दिन सीमित स्थान वाले अंतरिक्ष में कैसे काटे होंगे?

आसान नहीं रहा वहां रहना: 5 जून 2024 को सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में फ्लाइट टेस्ट मिशन पर बतौर पायलट गई थीं। 8 दिन स्पेस स्टेशन पर रुक कर, शोध प्रयोग कर 10वें दिन स्पेसक्राफ्ट को धरती पर वापस लाना तय था। पर जो हुआ सबके सामने है। लेकिन उस दौरान तमाम कठिनाइयों के बावजूद, सुनीता वहां काम और व्यायाम के जरिए पर्याप्त प्रसन्न, स्वस्थ और स्थिर रहीं। अंतरिक्ष स्टेशन के शून्य गुरुत्वाकर्षण में बंधी दिनचर्या के तहत तंग सी जगह में कुछ ही चेहरों के साथ रहना, लटके हुए सोना, संभल कर दैनिक क्रिया निबटाना, व्यायाम करना, टूथपेस्ट को ब्रश के बाद निगल जाना, बिना नहाए महीनों रहना, उनके लिए सामान्य हो गया था। रोज मेंटिनेंस, रिसर्च, आकलन, सेल्फ असेसमेंट जैसे काम निबटाना, खान-पान में अपेक्षित सावधानी बरतना, छलकी बूंदों का पीछा कर उन्हें गटक जाना, सुनीता के लिए कोई नई बात नहीं थी।



किसी मुश्किल से नहीं घबराईं: कभी स्पेसक्राफ्ट के कैप्सूल में हीलियम लीकेज, तो कभी थ्रस्टर्स बंद तो कभी प्रॉपेलेंट वॉल्व का बंद न होना। एक बार तो यान के सुरक्षा कवच में दरार आ गई थी फिर अंतरिक्ष केंद्र के कंप्यूटरों में खराबी बमुश्किल ठीक हुई। यहां तक कि सोलर पैनल की भी कई बार मरम्मत करनी पड़ी। बहरहाल, पिछली बार सुनीता को अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने रुकना पड़ा था, लेकिन इस बार नौ महीने वहीं स्टे करना पड़ा। पर इस बार उनको वापस लाने के बार-बार हुए प्रयासों में तकनीकी विफलता अवश्य निराशाजनक थी। लेकिन वापसी के इंतजार में हंसती, मुस्कराती दिखती सुनीता कभी घबराई या निराश नहीं दिखीं। धरती पर नियत, निश्चित वापसी के बार-बार टलने का अहसास क्या होता है, धरती पर अपने घरों में रहते नहीं महसूस किया जा सकता।

आसान नहीं थी वापसी: सुनीता की वापसी की डगर कम खतरनाक नहीं थी। मौसम का बिगड़ा मिजाज एक बार फिर विलंब करवा सकता था। एक तकनीकी गलती, कोण में बदलाव उन्हें भाप में तब्दील कर सकती थी, ताउम्र अंतरिक्ष में गुम कर सकती थी, कक्षाओं में भटका सकती थी। बहरहाल, धरती पर सुनीता सुरक्षित लौट आई हैं।

नॉर्मल होने में लगेंगे कई दिन: लौटने के बाद सुनीता के सामने तमाम समस्याएं कुछ समय तक बनी रहेंगी। शरीर के अंगों और उनके द्वारा क्रिया-कलाप को स्वभावतः पृथ्वी की सतह पर वायुमंडलीय दबाव और गुरुत्व की आदत होती है। स्पेस में जाकर ज्यादा समय वहां रहकर वापस आना तमाम विसंगतियां पैदा करता है। गुरुत्व की आदी मांसपेशियां जिन्हें धरती पर हर हरकत पर कसरत करनी पड़ती है, स्पेस में लगभग निष्क्रिय रहती हैं। सो कमजोर और खराब होने लगती हैं। इसके अलावा हर समय हवा में तैरते रहने के चलते हड्डियों को शरीर का भार सहन करने की जरूरत नहीं रहती, इससे हड्डियों के ऊतक विकसित नहीं होते, जरा भी धक्के से टूट-फूट की आशंका बनती है। अंतरिक्ष से वापस आने पर कुछ दिनों बाद ही वे ठीक से खड़ी हो पाएंगी। सुनीता को गुर्दे की पथरी की समस्याएं हो सकती हैं, दिल भी सिकुड़ सकता है। इतना ही नहीं, उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। नजर बेहद कमजोर हो सकती है, कान से कम सुनाई देना और शरीर का बेहतर संतुलन बनाने में भी कठिनाई हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का बिल्कुल साफ-सुथरा वातावरण, धरती आने पर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। धरती पर पाए जाने वाले बहुत से प्राकृतिक सूक्ष्म जीवाणु उनमें इम्यून सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। फिलहाल सुनीता के व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही इसके निष्कर्षों का इंतजार रहेगा। *

ऐसे हुई सुनीता की वापसी

सुनीता को वापस लाने के लिए जाने वाले ड्रैगन क्रू-10 यान में चार लोग थे। 14 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 4.30 बजे केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरकर यह ड्रैगन क्रू, 28 घंटे बाद 16 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 9.40 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच कर डॉकिंग शुरू की, 11.05 बजे इसका हैच खुला। तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर टीम मेंबर भीतर गए। बात मुलाकात के बाद क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों, एस्ट्रोनॉट निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्सांद्र गोरबुनोव ने अपने काम-काज का ब्योरा आगंतुकों यानी क्रू-10 मेंबर्स को दिया। काम-काज हैंड ओवर करने के बाद वे पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार थे। पांच महत्वपूर्ण और बेहद जटिल प्रक्रियाएं निबटाने के बाद वे चले और लगभग 18 घंटे बाद महासागर में सफलतापूर्वक उतरे।

आईएसएस का एक्सरसाइज जोन



अंतरिक्ष यात्रियों की हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर न हों, इसके लिए वे रोजाना ट्रेडमिल या साइकिल पर कसरत करते हैं। यह बहुत जरूरी इसलिए है, क्योंकि महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का असर पड़ता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मानसिक रूप से खुद को स्थिर रखना एक चुनौती होता है।



कविता

अलका 'सोनी'

सभ्यता वरदान नहीं

सभ्यता वरदान नहीं
होती हमेशा...
कभी-कभी
बन जाती है
अभिशाप भी!!
वह नहीं सिखा पाती हमें
अपने मन के
घावों को धोना
झूठी हंसी ओढ़े
सीख लेता है आदमी
चुप रहकर दर्द ढोना
छद्म आवरण से
ढंका शरीर लेकर
घूमता रहता है आदमी
इस सभ्य समाज में
इससे कहीं ज्यादा
महान होता है
प्रकृति का
वह भव्य खुलापन और
जहां नहीं छुपाते लोग
स्वयं को इन आवरणों में।
सदियों तक सहेज कर
रखते चले जाते हैं वो
अपनी सहजता
यह नैसर्गिकता ही तो
इनकी थाती होती है
जिसे पीढ़ियों तक
हस्तांतरित करते जाते हैं वे।

लघुकथाएं

नासूर

योगिता को हरीश के रूप में मन-माफिक नौकरीपेशा पति ही नहीं मिला, अच्छी ससुराल भी मिली। शादी के साल भर बाद वह मां बन गई। सब कुछ बढ़िया ही बढ़िया!

ससुराल में परिवार संयुक्त था। सबके साथ सब कुछ अच्छा हो, जरूरी तो नहीं। हरीश का एक चचेरा भाई था-नरेश। वह पढ़ा-लिखा तो था लेकिन बेरोजगार था। वह सरकारी नौकरी पाने की कोशिश में था। सारी कोशिशें सब व्यर्थ जा रही थीं। उसकी बेकारी पर अकसर योगिता फब्तियां कसती थी, 'क्यों नरेश! आजकल तुम्हारा इधर-उधर बहुत आना-जाना होता है। क्या बात है भाई! नौकरी मिली? नौकरी मिलेगी, तब छोकरी मिलेगी। लगे रहो नरेश भाई।'

नरेश योगिता को कभी मजाकिया लहजे में जवाब देता, तो कभी चुप रह जाता लेकिन बातें अंतस को लगती थीं। हरीश को अपने भाई के प्रति योगिता का व्यवहार अच्छा नहीं लगता था। एक दिन उसने समझाया, 'योगिता, नरेश की बेकारी की तुम खिल्ली मत उड़ाया करो।'

योगिता पति की बात हल्के से लेते हुए तपाक से बोली, 'क्यों...? बस मजाक ही तो करती हूं।'

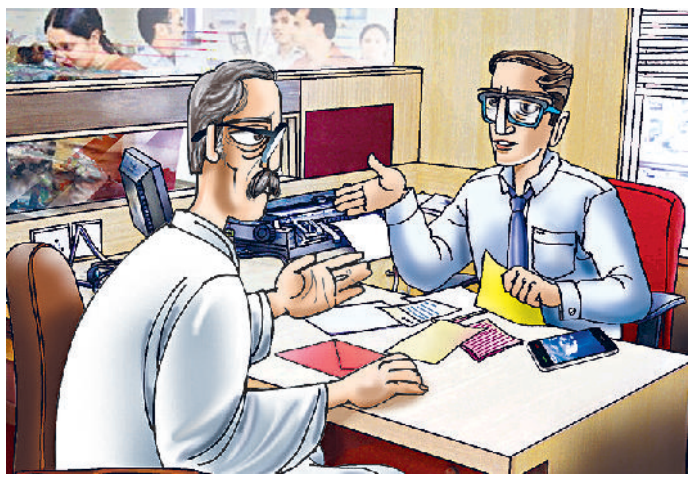
'नरेश को बहुत ठेस पहुंचती है तुम्हारे मजाक से।' हरीश ने एक पीड़ा के साथ कहा।

'तुम्हें कैसे पता?' योगिता बोली।

'घायल की गति घायल जानता है योगिता। बेकारी शरीर के नासूर से अधिक पीड़ादायक होती है।' एक लंबी सांस खींचते हुए हरीश बोला। *

-टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'





आयु की अवधि

नौकरी से कई वर्ष पहले रिटायर हो चुके दीनानाथ जी को जर्जर होते जा रहे मकान की मरम्मत का खयाल आया। लेकिन इसके लिए पास में पर्याप्त पैसा न होने के कारण, उन्होंने बैंक से कर्ज लेने की सोची। उनका खयाल था, पेंशन खाते से बैंक उन्हें कर्ज दे देगा। बीवी की सहमति से कर्ज की अर्जी देने के लिए वे एक दिन बैंक पहुंच गए।

बैंक अधिकारी से उन्होंने पेंशन खाते के एवज में कर्ज लेने के बारे में पूछा।

'बैंक में ऐसे लोन का प्रावधान है तो सही, लेकिन...' दीनानाथ जी की ओर गौर से देखते हुए बैंक अधिकारी बोलते-बोलते ठहर गया।

'लेकिन क्या..?' उन्होंने पूछा।

'बात यह है दीनानाथ जी कि एक उम्र अवधि पार करने के बाद ऐसे किसी लोन का प्रावधान नहीं है बैंक में।' बैंक अधिकारी ने बताया।

'ऐसा क्यों है?' मायूसी के साथ दीनानाथ जी ने पूछा। समझाने के अंदाज में अधिकारी ने कहा, 'इसलिए कि... ईश्वर न करे, इस बीच आपको कभी भी कुछ हो जाए और...।' कहते-कहते अचानक ही उस अधिकारी को एक जोरदार हिचकी आई और वह अपनी कुर्सी पर ही लुढ़क गया। उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। *

-हबीब कैफी

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

काफ्का पर संग्रहणीय अंक

जब भी दुनिया के महानतम लेखकों का जिक्र होता है तो फ्रांज काफ्का का नाम उसमें शामिल होता ही है। इस विलक्षण लेखक के अवसान को एक सदी गुजरने पर श्रद्धांजलि स्वरूप नया ज्ञानोदय ने अपना ताजा अंक (फरवरी-मार्च) 'काफ्काः अवसान के सौ वर्ष' शीर्षक से प्रकाशित किया है। इसमें उनकी क्लासिक कथा 'कायांतरण' के अलावा 'दंडद्वीप में', 'एक छोटी महिला' और 'ग्यारह बेटे' कहानियां भी संकलित हैं। उनकी दो कविताओं और दो लघुकथाओं के अलावा कुछ बेहतरीन लेख भी यहां पढ़े जा सकते हैं। सुधांशु गुप्त का लेख 'के से काफ्का पढ़िए' और स्वाति शर्मा का संस्मरण 'कमरा नंबर बाईसः काफ्का की खिड़की' विशेष रूप से पठनीय हैं। सौम्य शाश्वत का लेख 'सिनेमा में काफ्का की उपस्थिति' भी बढ़िया है। गुस्ताव जैनुक और पिएत्रो चिताती के अनूदित संस्मरण भी बेहतरीन हैं। केशव चतुर्वेदी ने अपने लेख में काफ्का के रचना संसार के आलोक में उनकी प्रासंगिकता की गहनता से पड़ताल की है। कुल मिलाकर काफ्का पर केंद्रित नया ज्ञानोदय का यह अंक संग्रहणीय है। *



पत्रिकाः नया ज्ञानोदय (काफ्काः अवसान के सौ वर्ष), संपादकः मधुसूदन आनंद, मूल्यः 50 रुपए, प्रकाशकः भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

तरकश

संजय के. दीक्षित

महिला IAS, तीखे तेवर

आबकारी सचिव आर. शंगीता की हाई प्रोफाइल मीटिंग की ब्यूरोक्रेसी में बड़ी चर्चा है। नई आबकारी पॉलिसी में शराब दुकानों की संख्या बढ़ाने से लेकर उससे जुड़े तमाम पहलुओं पर आबकारी सचिव ने 19 मार्च को कलेक्टर, एसपी, आईजी, कमिश्नर्स की वीडियो कांफ्रेंसिंग कर क्लास ली। संगीता कुछ पुलिस अधीक्षकों से इसलिए खफा थीं कि होली के दिन शराब दुकान वाले सुरक्षा के मद्देनजर थानों में पैसा रखवाने गए तो थानेदारों ने इंकार कर दिया। कुछ जिलों में आबकारी विभाग के मुलाजिमों के साथ दुर्व्यव्हार हुआ, तो कुछ जगहों पर कार्रवाई के नाम पर पुलिस वाले आबकारी अधिकारियों से भिड़ गए...इस पर तीन-चार एसपी साहबों की खिंचाई हुई। मसला यह भी आया कि शराब दुकानों के बाहर पुलिस वाले ताक में बैठे रहते हैं, थोड़ी-सी मात्रा अधिक हुई नहीं कि लोगों को पकड लें। आबकारी सचिव ने कलेक्टरों से भी खरी-खरी अंदाज में ही बात की। बिलासपुर और बस्तर कलेक्टरों की जरूर तारीफ हुई कि उनके जिलों में शराब दुकानें काफी व्यवस्थित और साफ-सुथरी हैं। बहरहाल, महिला ब्यूरोक्रेट्स में सख्त एडमिनिस्ट्रेशन के लिए अभी तक रेणु पिल्ले और ऋचा शर्मा जानी जाती थीं। आर. शंगीता के प्रशासनिक तेवर देख कलेक्टर, एसपी हैरान थे। अफसरों को झेंप कुछ इसलिए भी आई कि वीडियोकांफ्रेंसिंग में जिला आबकारी अधिकारी भी कनेक्ट थे। और उनके सामने सारा कुछ हुआ...डेढ़ घंटे की मीटिंग के बाद एसी में बैठे कलेक्टर, एसपी, आईजी, कमिश्नर पसीना पोंछ रहे थे। ठीक भी है, छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक हलकों में जिस तरह लचरता आ गई है, सख्ती की जरूरत तो है। मगर इसके साथ कुछ उठते सवाल भी हैं....

प्रोटोकॉल का सवाल

आबकारी सचिव की वीडियोकांफ्रेंसिंग के बाद सवाल उठ रहा कि क्या मंत्रालय का कोई सचिव कलेक्टर, एसपी के साथ ही आईजी और कमिश्नरों की मीटिंग ले सकता है? दरअसल, छत्तीसगढ़ के अस्तित्व में आने के बाद 25 साल में ऐसा कभी हुआ नहीं। किसी प्रमुख सचिव या अपर मुख्य सचिव को भी ऐसी बैठकें लेते देखा नहीं। हो सकता है कि ब्यूरोक्रेसी के प्रोटोकॉल की हमारी समझ थोड़ी कम हो। मुझे अभी तक ये ही पता था कि कलेक्टर, एसपी के साथ आईजी, कमिश्नरों की बैठक या तो मुख्यमंत्री लेते हैं या फिर चीफ सिकरेट्री। सीएम सचिवालय के शीर्ष अफसर भी ऐसी बैठक ले तो कोई हर्ज नहीं, क्योंकि सीएम सचिवालय को सीएम का हिस्सा समझा जाता है। ऐसे में, एक प्रसंग याद आता है। पिछली सरकार में 2022 की बात रही होगी। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कलेक्टरों की मीटिंग लेनी चाही। ग्रामीण और पंचायत सचिव गौरव द्विवेदी ने सभी कलेक्टरों को सूचना भेज दी। मगर बाद में प्रोटोकॉल के नाम पर बैठक को रद्द कर दिया गया। खैर, सचिव कमिश्नर, आईजी की बैठक ले सकता है या नहीं, यह देखना सिस्टम का काम है।

कांग्रेस का नया पायलट

चर्चा है, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी को जल्द ही नया प्रदेश प्रभारी मिल सकता है। सचिन पायलट को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की खबर है। उन्हें वहां अगर पीसीसी की कमान सौंप दी गई तो फिर पार्टी छत्तीसगढ में नए प्रभारी बनाकर भेजेगी। वैसे भी सचिन बेमन से ही प्रभारी थे। नगरीय निकाय चुनाव के दौरान एक बार भी वे छत्तीसगढ़ नहीं आए। सत्ता में होने के बाद भी बीजेपी के प्रदेश प्रभारी नीतीन नबीन महीने में छत्तीसगढ़ का दो चक्कर लगा जाते हैं। सचिन पायलट 25 जनवरी को महापौर प्रत्याशियों की टिकिट फायनल करने वाली मीटिंग में हिस्सा लेने रायपुर आए थे, उसके बाद पूरा चुनाव निबट गया, पायलट का कोई पता नहीं था। दो महीने बाद सीधे 19 मार्च को वे रायपुर आए। और कहीं वे राजस्थान पीसीसी के अध्यक्ष बन गए तो फिर उनका यह आखिरी दौरा ही होगा। याने छत्तीसगढ़ कांग्रेस को नया पायलट मिलेगा।

5 नामों का पेनल!

एक से बढ़कर एक दावेदारों के चलते छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त का सलेक्शन काफी हाई प्रोफाइल हो गया है। 26 मार्च को एसीएस मनोज पिंगुआ की अध्यक्षता वाली पांच आईएएस अधिकारियों की कमेटी के समक्ष 33 दावेदारों का इंटरव्यू होगा। कमेटी सभी का साक्षात्कार लेकर एक पेनल बनाएगी। हालांकि, अभी ये फायनल नहीं हुआ है कि पेनल तीन का होगा या पांच का। सूत्रों का कहना है कि कमेटी किसी तरह के विवाद से बचने कोशिश करेगी कि ज्यादा नामों का ही पेनल बनाए। ऐसे में, पांच की संभावना अधिक है। इंटरव्यू के बाद सर्च कमेटी पेनल बनाकर सामान्य प्रशासन विभाग को सौंप देगी। पेनल तैयार होने के बाद सलेक्शन कमेटी की बैठक के लिए नियमानुसार 15 दिन का समय रखा जाना चाहिए। याने 26 मार्च को इंटरव्यू लेने के बाद अगर 27 को पेनल जीएडी में जाएगा तो 11 अप्रैल से पहले सलेक्शन कमेटी की बैठक नहीं होगी। मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सीनियर मंत्री की तीन सदस्यीय कमेटी पेनल में से किसी एक नाम पर टिक लगाएगी। याने सब कुछ ठीक रहा तो 25 अप्रैल से पहले सीआईसी की नियुक्ति हो जाएगी।

चीफ सिकरेट्री पर सस्पेंस

बड़े-बड़े लोग सीआईसी के लिए अप्लाई किए हैं, सिर्फ इसलिए लोगों की इसमें उत्सुकता नहीं है। दरअसल, मुख्य सूचना आयुक्त के साथ मुख्य सचिव की नियुक्ति जुड़ी हुई है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन अगर सीआईसी बन गए तो छत्तीसगढ़ का अगला चीफ सिकरेट्री कौन होगा, ये सवाल बड़ा है। इस समय नए सीएस के लिए पांच दावेदार हैं। सीनियरिटी की बात करें तो अमिताभ के बाद 91 बैच की आईएएस रेणु पिल्ले हैं। उनके बाद फिर 92 बैच में सुब्रत साहू। 93 बैच के अमित अग्रवाल सेंट्रल डेपुटेशन पर हैं। 94 बैच में मनोज पिंगुआ और ऋचा शर्मा हैं। ये तय है कि इन पांच में से ही कोई एक छत्तीसगढ़ का नया प्रशासनिक मुखिया बनेगा। मगर वह एक कौन? इस बारे में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ही बता सकते हैं या फिर उनके प्रमुख सचिव सुबोध सिंह। दरअसल, सीएस, डीजीपी और पीसीसीएफ की नियुक्ति मुख्यमंत्री पर निर्भर करता है। विष्णुदेव केंद्र के शीर्ष नेताओ के विश्वासप्राप्त भी हैं, सो यहां यूपी, एमपी जैसा कोई सरप्राइजिंग होगा नहीं।

मनोज पिंगुआ का औरा

चीफ सिकरेट्री बनने की अर्हता रखने करने वाले पांच आईएएस अफसरों में से एक नाम एसीएस मनोज पिंगुआ का भी है। वे चीफ सिकरेट्री बनेंगे या नहीं, ये वक्त बताएगा। वैसे भी चीफ सिकरेट्री वही बनता है, जिसके माथे पर लिखा होता है। मगर ये अवश्य है कि सरकार ने सीआईसी सर्च कमेटी का चेयरमैन बनाकर मनोज पिंगुआ की हैसियत बढ़ा दी है। सिर्फ इससे समझा जाइये कि वे बड़े-बड़े लोगों का इंटरव्यू लेने वाले हैं।

घर में भी सीनियर, बैच में भी

ये जनरल परसेप्शन है कि घरों में महिलाओं की ज्यादा चलती है। पतियों के पास कोई चारा नहीं होता। बहरहाल, छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में दो जोड़े ऐसे हैं, जो आईएएस के बैच में भी अपने पतियों से सीनियर हैं। 94 बैच की निधि छिब्बर इस बैच में अपने पति विकास शील गुप्ता से उपर हैं। इसी तरह हाल ही में एसीएस प्रमोट हुईं डॉ0 मनिंदर कौर द्विवेदी 95 बैच में अपने हसबैंड गौरव द्विवेदी से सीनियर हैं। ये दोनों आईएएस दंपती एसीएस हैं। और संयोग से चारों इस समय सेंट्रल डुपेटेशन पर हैं। अगर कभी मुख्य सचिव बनने की बारी आई तो सीनियरिटी में इन दोनों महिला अफसरों का नाम उपर होगा। और उनके पतियों को मंत्रालय से बाहर जाना होगा। क्योंकि, सेम बैच का अगर कोई चीफ सिकरेट्री बनता है तो परिपाटी के अनुसार उसके बैच के अफसरों को मंत्रालय से बाहर सीएस के समकक्ष कोई पोस्टिंग दी जाती है।

एम्स की प्रतिष्ठा

एम्स देश का एक बेहद प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान हैं। इस पर लोगों का इतना भरोसा है कि हर आदमी चाहता है कि उसके बीमार परिजन को एम्स में दाखिला मिल जाए। रायपुर एम्स भी कुछ इसी तरह का था। मगर इस समय जो सुनने में आ रहा, उससे थोड़ी हैरानी होती है। रायपुर से एक व्यक्ति हार्निया का ऑपरेशन कराने 5 सितंबर 2024 को एम्स पहुंचा तो उसे दिसंबर 2025 का टेंटेटिव डेट दिया गया। याने 16 महीने आगे का डेट। रायपुर सांसद की चिट्ठी-पत्तरी भी इसमें कोई काम नहीं आई। एम्स में इलाज के इश्यू को रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी लोकसभा में उठाया है। आईएमए रायपुर के प्रेसिडेंट डॉ कुलदीप सोलंकी ने इसको लेकर एम्स प्रबंधन के खिलाफ अहम बयान दिया है. एम्स रायपुर को इसे नोटिस में लेनी चाहिए, ताकि देश की शीर्ष चिकित्सा संस्था पर लोगों का विश्वास कायम रहे।

200 करोड़ के मोड का खेला!

सीजीएमएससी ने चार मेडिकल कॉलेजों को क्लब कर घोटाले का टेंडर निकाला था, हेल्थ सिकरेट्री अमित कटारिया की सख्ती के बाद उसे रद्द कर दिया गया है। मगर कंसलटेंट मोड के नाम पर 200 करोड़ का खेला की फाइल अभी चल रही है। ईपीसी मोड में चारों कॉलेजों को बनाने में 50 करोड़ के हिसाब से 200 करोड़ ज्यादा बैठ रहा है। याने ढाई सौ करोड़ के कालेज में डिजाइन और कंसलटेंसी के नाम पर 50 करोड़ एक्सट्रा दिया जाएगा। इस पर राजेश मूणत ने विधानसभा में सवाल किया कि तीन मेडिकल कालेज बनवाए जा रहे, वो किस मोड में है तो लिखित जवाब आया, पीएमसी मोड याने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड कंसलटेंसी। ईपीसी याने इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंट्रक्शन मोड में एक कॉलेज के पीछे 50 करोड़ रुपए बढ़ा देने का मतलब सीजीएमएससी वाले ही समझा सकते हैं। हेल्थ के जिम्मेदारों को 200 करोड़ के इस खेल का समझना चाहिए कि जब तीन कॉलेज पीएमसी मोड में बन रहे तो फिर ईपीसी की जरूरत क्यों पड़ी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. किस मंत्री ने अपनी भांजी के नाम पर बिल्हा के पास 70 एकड़ जमीन ख़रीदा है?
2. किस जिले में कल एक विशिष्ट व्यक्ति के दौरे में पत्ता गोभी की सब्जी बनने पर अफसरों ने बवाल काट दिया?

टॉक्सिक के लिए वसूली मोटी फीस

एजेंसी ⏭ मुंबई

मशहूर एक्ट्रेस कियारा आडवाणी खूब चर्चा में है। एक्ट्रेस ने कुछ महीने पहले अपनी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज फैंस संग शेयर की है। वहीं जल्द ही एक्ट्रेस यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म के लिए कियारा आडवाणी ने मोटी फीस वसूली हैं, जिसके बाद वो हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में भी शामिल हो गई है। फिल्म 'टॉक्सिक'में कियारा आडवाणी लीड रोल प्ले करने वाली है। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए कियारा आडवाणी ने 15 करोड़ रुपये लिए हैं। कियारा आडवाणी की बढ़ती पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने आसानी से एक्ट्रेस को इतनी फीस दे दी है। अब कियारा आडवाणी दीपिका-प्रियंका जितनी फीस लेने वाली एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने साउथ की फिल्म 'एसएसएमबी 29' के लिए मोटी फीस वसूली थी। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म के लिए देसी गर्ल ने 35 करोड़ रुपये चार्ज किए थे।



इन फिल्मों में आएंगी नजर : *कियारा आडवाणी अभी फिल्म टॉक्सिक और जूनियर एनटीआर की फिल्म 'वॉर 2' में नजर आने वाली है। कुछ दिनों पहले ऐसी रिपोर्ट आई थी कि प्रेग्नेंसी के कारण कियारा आडवाणी ने डॉन-3 करने से मना कर दिया है। अब फैंस बेसब्री से कियारा की फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। कियारा आडवाणी ने साल 2023 में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शादी की थी। अब कपल जल्द ही बच्चे का स्वागत करने वाले हैं।*

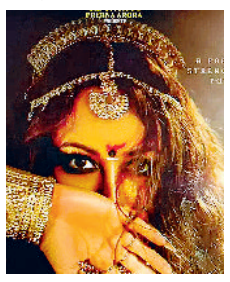
'खतरों के खिलाड़ी 15' में होगी कई टीवी एक्टर की एंट्री

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी जल्द ही अपने धमाकेदार शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' के साथ टीवी पर दस्तक देने के लिए तैयार हैं। रोहित शेट्टी के 'खतरों के खिलाड़ी 15' के लिए अभी तक कई सितारों को अप्रोच किया जा चुका है, जिसमें चुम दरांग से लेकर टीवी की नागिन सुरभि ज्योति का नाम भी सामने आया। वहीं अब शो से एक और टीवी एक्टर का नाम जुड़ा है, जो छोटे पर्दे पर कई धमाकेदार सीरियल्स में अहम भूमिका अदा कर चुका है। शो को हिट बनाने के लिए मेकर्स एक से एक टीवी स्टार्स को अप्रोच कर रहे हैं।



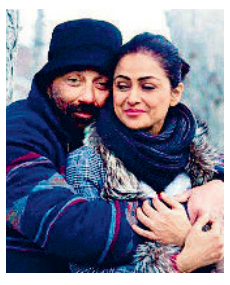
चाहे वो 'बिग बॉस 18' फेम अविनाश मिश्रा हों या फिर एरिका फर्नांडिस। अब मेकर्स ने 'अनुपमा' और 'कुंडली भाग्य' से सबका दिल जीतने वाले पारस कलनावत को भी अप्रोच किया है। अगर पारस कलनावत 'खतरों के खिलाड़ी 15' का हिस्सा बनते हैं तो ये उनका दूसरा रियलिटी शो होगा। क्योंकि इससे पहले उन्होंने 'झलक दिखला जा 10' में भी अपनी किस्मत आजमाई थी। पारस कलनावत को पर्दे पर वापसी करता देखने के लिए फैंस की एक्साइटमेंट भी अलग स्तर पर है।

'जटाधारा' में सोनाक्षी का रौद्र रूप...



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रही है। अभिनेत्री फिल्म 'जटाधारा' में नजर आने वाली है। जी स्टूडियो ने सोनाक्षी का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया है। यह कोई और नहीं बल्कि वेंकेट कल्याण कि अपकमिंग फिल्म जटाधार है। आज मेकर्स ने सोनाक्षी सिन्हा का फर्स्ट लुक शेयर किया है जो एकदम फायर लग रहा है। पोस्टर पर नजर डालें तो सोनाक्षी के बाल बिखरे हुए हैं, माथे पर मुकुट है आँखों में गुस्सा है और हाथों में ज्वेलरी है। इस रूप में मानो वह कोई रौद्र देवी लग रही हों। बात करें फिल्म की तो इसकि शूटिंग 14 फरवरी हैदराबाद में शुरू हो चुकी है।

सनी की 'सफर' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज!



मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के धांसू एक्टर सनी देओल इस समय एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। इस समय वो अपनी अपकमिंग एक्शन-ड्रामा 'जाट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, जो 10 अप्रैल के दिन रिलीज होने वाली है। अब जो लेटेस्ट रिपोर्ट्स सामने आई हैं उनके मुताबिक सनी देओल की फैमिली ड्रामा बेस्ड फिल्म 'सफर' को सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का मन लिया है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 के अंत तक इसे ओटीटी पर रिलीज कर दिया जाएगा।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- फैक्टरी, होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई (5.7) वेतन 12000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल :- 7746000016, 8720005500. (RO-3160)

आवश्यकता है- रोहित मेहता सिक्योरिटी एजेंसी में भूतपूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड के कार्य के लिए डी जी आर रेट पर सिर्फ कोरबा में ड्यूटी के इच्छित ही संपर्क करें 9109792914.(RO-A)

टीचर

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ तीन दर्शन मंदिर केम्प 1 भिलाई को सभी विभाग में विषय शिक्षकों की आवश्यकता है। विद्यालय में बायोडाटा सहित 8 से 4 बजे संपर्क करें। (आरो नं.-700)

सफाई कार्य

आवश्यकता है- न्यू गीतांजलि नगर, रायपुर (बी टी आई के पास) में घर की साफ सफाई के लिए महिला की आवश्यकता है। संपर्क - 9752530608. (RO-542)

टेक्नीशियन/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता 12वीं, टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्निशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 संपर्क:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-3365)

हरिभूमि

पैकिंग कार्य/ ड्रायवर

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की एवं ड्राइवर की जरूरत है। संपर्क करें- एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो . 7469980000, 07714075490 (Ro. 7062)

फार्म कार्य

आवश्यकता है- फार्म में काम करने वालों की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध है (आरंग नया रायपुर स्थित) महिला , पुरुष अथवा विकलांग संपर्क करे - मो. 9826415569 (RO-7056)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप हेतु लड़को की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा 94242-25533.(RO-272)

आवश्यकता है- पुजारी फ्यूल्स रिंग रोड नंबर 1, राजेंद्र नगर में कार्य करने हेतु लड़के व लड़कियों की आवश्यकता है। पूर्व में पेट्रोल पंप में कार्य किए हुए को प्राथमिकता। 9300530066, 8720050022.(RO-626)

वेल्डर/ड्रायवर

आवश्यकता है- राघव एडवटाईजिंग में वेल्डर और ड्राइवर की आवश्यकता है। (वेतन योग्यतानुसार) संपर्क: राघव हाउस, 08 प्रियदर्शनी कॉलोनी मातृ-पितृ छाया आपर्टमेंट, रायपुर 9993655555, 7898980581.(RO-3829)

मिस्त्री/मैकेनिक

आवश्यकता है- JCB 3DX मशीन, AJAX सीमेंट कंक्रीट मिक्सर मशीन, वाइब्रो रोलर, मेंटेनेंस हेतु मिस्त्री मैकेनिक इंजीनियर ड्राइवर ऑपरेटर और ट्रक स्विफ्ट चलाने हेतु ड्राइवर की। सम्पर्क करें- बिलासपुर 9669211111, 9827175811, 8602111111. (RO-37171)

ऑपरेटर/मैनेजर

आवश्यकता है- मल्टीनेशनल कंपनी के गोडाउन में कंप्यूटर ऑपरेटर, डिपो मैनेजर व गोडाउन इंचार्ज की आवश्यकता। अनुभवी व नजदीक रहने वालों को प्राथमिकता। PF, ESIC व भोजन सुविधा उपलब्ध। इंटरव्यू दिनांक – 24 मार्च। स्थान श्री वासू लॉजिस्टिक्स लिमिटेड, तेंदुआ रिंग रोड नं-4, रायपुर. 7828901614, 7828901615.(RO-3384)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडिमेट कपड़े के दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है, बायोडाटा सहित सम्पर्क करें - प्रिया ड्रेसेस, मालवीय रोड रायपुर मोबाइल 8839050010, 9584000007.(RO-4916)

आवश्यकता है- पम्प एवं नल फिटिंग पाइप दुकान में काम करने हेतु आवश्यकता,सैलरी 10000-12000, हम्माल की सेलरी 15000, बजाज एंटरप्राइजेज स्टेशन रोड रायपुर 9644433085, 9425843865.(RO-583)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थान: तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करे:- 9575042814. (RO-3378)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित रियल स्टेट कंपनी में भिलाई लोकेशन हेतु, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है, 10 वी पास एवं अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार। संपर्क- 8898306907 (आरो नं.-704)

कुक

आवश्यकता है- हॉस्टल में खाना बनाने वाली कुक की आवश्यकता है रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड रायपुर 0771-2425009. (RO-3382)

हरिभूमि

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। (पार्ट टाइम/ फुल टाइम) भाठागांव वालफोर्ट सिटी के पास संपर्क करें- 8319744465, 9826750807 (RO-7061)

मैकेनिक

मैकेनिक चाहिए- दो पहिया वर्कशॉप हेतु अनुभवी, निपुण मैकेनिक की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करे:- शुक्ला जी माँ दुर्गा ऑटोस फाफाडीह रायपुर 9993485550, 9300697230. (RO-3374)

अन्य कर्मी

आवश्यकता है- (1) टाटा एस एवं ऑटो ड्राइवर एंव हेल्पर जो लोडिंग अनलोडिंग कर सके एवं हमाल (2) दुकान हेल्पर लड़के - लड़कियां (3) मार्केटिंग सेल्स पर्सन (4) कंप्यूटर ऑपरेटर लड़कियों की महाराष्ट्र मसाला उद्योग तत्यापारा 94252-12631(RO-153)

ऑपरेटर

आवश्यकता है- मल्टीनेशनल कंपनी के कॉरपोरेट ऑफिस में महिला कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। अनुभवी व नजदीक रहने वालों को प्राथमिकता। PF, ESIC व भोजन की सुविधा उपलब्ध। साक्षात्कार सुबह 10 से 12 बजे तक, दिए गए पते पर संपर्क करें - श्री वासू लॉजिस्टिक्स लिमिटेड, तेंदुआ रिंग रोड नं-4, रायपुर इंटरव्यू दिनांक–24 मार्च। 7828901614, 7828901615.(RO-3385)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- Paytm कम्पनी में साउंड बॉक्स सेलिंग कार्य करने हेतु युवकों की आवश्यकता है। कार्य स्थान रायपुर वेतन 13000 से 27000+ PF+ इंसेंटिव, योग्यता- 10वीं पास उम्र- 18 से 36वर्ष, बाइक, स्कूटी अनिवार्य। सम्पर्क करे- 7067875703.(RO-37147)

हरिभूमि

टेक्नीशियन/इंजीनियर

Required
TECHNICIAN
PROCESS ENGINEER
PROCESS CHEMIST
Having vast experience to manufacture graphite from the ore (Graphite concentration plant) at Tanzania.
Please apply with proof of experience and qualificationto:
INFO@KOTHARIYEAST.IN
Ph. 011-40590944
011-41664840

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- पंप पर काउंटर संभालने हेतु एवं हाउस कीपिंग हेतु महिलाओं एवं लड़कों की आवश्यकता है 24 घंटे चौकीदार भी चाहिए संपर्क करें:- 8358914444, रहने की सुविधा उपलब्ध.(RO-3383)

हेल्पर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- साड़ी दुकान में कार्य करने हेतु हेल्पर लड़के लड़कियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता आकर्षक वेतन बहुरानी साड़ी गेट नंबर 1 शॉप नंबर 2- 22 टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 98261-91212, 9131779862.(RO-584)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर मध्यप्रदेश मे रहकर ऑफिस कार्य करने हेतु अविवाहित लड़को की आवश्यकता है सैलेरी 10000 रहना खाना ट्रैवलिंग फ्री नियुक्ति फ्री संपर्क करे 9575712101, 7389318055. (RO-305)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- जनता कॉलोनी, देवेंद्र नगर रायपुर में फुल टाइम घरेलू कार्य करने के लिए एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है। रहने खाने की घर में ही व्यवस्था। सम्पर्क करें- 7327097200. (RO-37127)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- टाटा बिगबास्केट में ऑनरोल एसोसिएट पद पे कार्य करने के लिए लड़के लड़कियों की आवश्यकता है , न्यूनतम १०वी पास, आयुवर्ग - 18 से 35 ,वेतन 14000 /- मासिक। सुविधाएँ - PF, ESIC, अटेंडेंस बोनस, रिवॉर्ड इंसेंटिव। शिफ्ट- 9 घंटा । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - 7869295123 / 7067933763 (RO-7369)

अन्य

आवश्यकता है- नौकरी ही नौकरी तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन 27500+52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309. (RO-733)

Property प्रापर्टी

जमीन

जमीन बेचना है- भाठागांव बस स्टैण्ट से 10km में डायवर्टेड प्लाट 4475 स्क्वायर फीट चारों ओर से बाऊण्ड्री वाल किया हुआ है। जिसमें 2BHK मकान भी बना है। तत्काल बेचना है। मों.- 9977710373, 9340018862.(RO-7058)

जमीन बेचना है- 1 एकड 25 डिसमील जमीन बेचना है । ग्राम ढोडरा जिला रायपुर कीमत 85 लाख नहर से लगा, डबल फसल होता है। मो.93407-40179, 62618-92142 (आरो नं.-701)

For Rent किराया

FOR RENT - 300 SQFT OFFICE SPACE AVAILABLE ON RENT AT LALGANGA BUSINESS PARK, PACHPEDINAKA, RAIPUR CALL-75877-09222.(RO-7063)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Finance फायनेंस

फाइनेंस - किसान लोन - खेती जमीन पे पाए प्रति एकड़ 2 लाख से 10 लाख रूपए या जमीन पे गोदाम या दुकान बनाने के लिए लोन. 8819999374.(RO-47248)

Services सर्विसेस

सर्विस - आंचल अमृततुल्य स्वंय का दुकान डाले, बिजनेस करे बिना रिस्क के, कम पूंजी लगाकर या सैलरी में एग्रीमेंट के साथ संपर्क करें ,8234095610 समवेत शिखर कॉम्पलेक्स, दूसरा मंजिल, रायपुर (छ.ग.) (RO-3316)

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए
प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार गौत्र गौतम 32 वर्ष सिविल इंजीनियर कवर्धा निवासी जो नया रायपुर में कार्यरत युवक हेतु सुंदर सुशील वधु चाहिए।
संपर्क करें
9770577756

वधु चाहिए
गुजराती 44/5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000/- मासिक, युवक हेतु, उच्च जाति बंधन नहीं (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)
सम्पर्क करें
9827114645
9131139179

वधु चाहिए- यादव उम्र -48 वर्ष ,कद 5 फुट 6 इंच, योग्यता इंजीनियर स्वयं का व्यवसाय हेतु सुयोग्य, गृहकार्य में दक्ष, शिक्षित वधू चाहिए । मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। जाति बंधन नहीं । संपर्क करे मो 93996 27248 (7167)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Healthcare

चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
एक है, क्षणिक उपाय रोग को दबाने का।
दूसरा है, स्थाई इलाज जो रोग का जड़ से हटाने का। इन रोगों में चाहे कोई भी कैसा भी उपाय कर लीजिए रोग जड़ से नहीं जा सकता क्योंकि यह जीवाणु जन्य रोग नहीं है इसीलिए कोई एंटीबायोटिक्स या रोगनाशक दवा काम नहीं करता। ये इम्यून डिसऑर्डर रोग है ये सिर्फ आयुर्वेद के रस रसायन से ही जड़ से जा सकता है।रस रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परन्तु सटीक प्रामाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर में जाने पर चूक नहीं सकता परन्तु वात पित्त कफ से संबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटीक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।
(1) समस्त प्रकार के लाइलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ों में दर्द , उंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपेटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फुंसी, छाले चमड़ी का फटना, लात होना रुबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफ़लिस, गोनोरिया (सूजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या , यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इंद्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं है। सावधान!
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईंटमेंट फोन से (गरुवार अवकाश)

हरिभूमि CLASSIFIED RATE CARD 01 जनवरी 2022 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property	Display
Raipur City	400	500	460	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	350	450	450	150/- Sq cm
Bilaspur City	335	385	410	140/- Sq cm
Raipur All Edition	530	650	640	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	440	490	530	195/- Sq cm
All CG	800	920	910	310/- Sq cm
All CG + MP	1080	1350	1220	330/- Sq cm
All Edition	1350	1700	1600	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply
SCHEME
(Running) 3+1, 5=2, 10+6, 20+10, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS

गैक्वेट के शेष

4 महीने पहले पलायन कर गए ...

महाराष्ट्र, गुजरात में पलायन कर गए हैं। मजे की बात यह है कि इन सभी की उपस्थिति पंजीयन रजिस्टर में दर्ज भी हो रही। इनके नाम से मध्यान्ह भोजन भी कागजों में बन रहा है। इस तरह पूरी राशि का गोलमाल किया जा रहा है। स्कूल के शिक्षक गुलाम रसूल खान के साथ हरिभूमि की टीम अजय जांगड़े के घर पहुंची तब पता चला कि उनके तीन बच्चे दुर्गा, दुर्गेश्वरी और मुस्कान चार माह पूर्व से ही कमाने खाने के लिए परिजन के साथ चले गए हैं। उनके भाई राधे जांगड़े ने बताया कि गांव में कुछ भी काम नहीं है। जीवन यापन के लिए कुछ तो करना होगा। इसके साथ ही दिलहरण माथुर अपने पिता दीपक माथुर के साथ जीवन यापन के लिए महाराष्ट्र में काम करने के लिए गया हुआ है। राकेश माथुर भी अपने पुत्र आदित्य माथुर के साथ गुजराज गया हुआ है। यह जानकारी उसके बड़े भाई शंकर माथुर ने दी।

घर से निकला और आलू बेचने लगा छात्र: चिंगराजपारा प्राथमिक का पांचवीं का छात्र उसी मोहल्ले में रहता है। 21 मार्च को होने वाली पांचवी की अंग्रेजी की परीक्षा देने के लिए यह छात्र घर से निकला था। साढ़े 9 बजे तक स्कूल नहीं पहुंचा तो परिजन ने उसके पिता को फोन किया। मालूम पड़ा कि छात्र तो सुबह 8 बजे ही घर से निकल गया। दोस्तों और परिजन से बात की गई लेकिन किसी ने कुछ नहीं बताया। पिता से जानकारी मिली कि मजदूरी करने के साथ ही कई बार सब्जी मंडी चला जाता है। शनिचरी बाजार पहुंचने पर मालूम पड़ा कि छात्र आलू बेच रहा है। यही छात्र 17 मार्च को हुए गणित के पेपर में भी अनुपस्थित था। इसी तरह मोपका, लिंगियाडीह, मंगला और कोनी स्कूल में भी अलग-अलग कारणों से छात्र परीक्षा देने नहीं पहुंच रहे हैं।

दवा निगम में भ्रष्टों का ...

के तत्कालीन प्रभारी महाप्रबंधक उपकरण बसंत कुमार कौशिक, तत्कालीन उप प्रबंधक उपकरण कमलकांत पाटनवार, तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर स्टोर डॉ. अनिल परसाई एवं तत्कालीन बायो मेडिकल इंजीनियर क्षिरौद्र रौतिया तथा दीपक कुमार बंधे को शुक्रवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। इन अधिकारियों की इस बड़े घोटाले को अंजाम देने में बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि इनके पास खरीदी से संबधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी। उनके खिलाफ ईओडब्लू ने आईपीसी की धारा 409, 120-बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)ए, 13(2), 7(सी) के तहत अपराध दर्ज किया है।

जांच दायरे में अभी और भी: ईओडब्लू ने इस मामले में अब तक छह लोगों की गिरफ्तारी कर ली है। प्रकरण में और लोगों पर भी एक्शन लिए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। ईओडब्लू की टीम ने इस प्रकरण में कई उच्च स्तर के अधिकारियों से भी कई दौर में लंबी पूछताछ कर चुकी है। इनकी एफआईआर में सीजीएमएससी और स्वास्थ्य संचालनालय से जुड़े उस दौर के कई आला अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

तीन अफसर अभी भी जमे हुए: सीजीएमएससी के एमडी पद्मिनी भोई साहू ने कार्पोरेशन में काम कर रहे अधिकारी कमलकांत पाटनवार, क्षिरौद्र रौतिया और दीपक कुमार बंधे को उनके मूल विभाग में वापस भेजने की सिफारिश की थी। मामले की फाइल महीनेभर से कार्रवाई के लिए अटकी हुई थी। शुक्रवार को ईओडब्लू ने तीनों को इस घोटाला में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

पेज एक के शेष

कांग्रेस के 10 और...

15 विधायकों ने बजट सत्र में 64 प्रश्न किए। इसमें 10 कांग्रेस के हैं और 5 भारतीय जनता पार्टी के। चौंकाने वाली बात यह है कि छह विधायक ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सवाल नहीं पूछा। इनमें पांच भाजपा के हैं।

सत्र में कांग्रेस-भाजपा के विधायकों ने सवालों के माध्यम से अपने क्षेत्र और राज्य के कई मुद्दों पर सरकार से जवा- तलब किया। छह विधायक ऐसे भी है जो सदन में मौजूद तो रहे पर एक भी सवाल नहीं लगा पाए। ऐसे आधा दर्जन विधायकों में भाजपा के पांच विधायक शामिल हैं। इनमें रेणुका सिंह, राजेश अग्रवाल, अमर अग्रवाल, योगेश्वर राज सिन्हा शामिल हैं। वहीं भाजपा विधायक भैयालाल राजवाड़े ने केवल एक सवाल पूरे सत्र के दौरान लगाया था। विक्रम उसेंडी ने तीन और सुश्री लता उसेंडी ने चार सवाल सत्र के दौरान पूछे। प्रश्नकाल में 90 विधायकों में से 79 विधायक ही अपने सवाल लगा सकते थे। विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और 9 मंत्री सवाल नहीं लगा सकते थे। 17 दिन की बैठक में 16 दिन तक प्रश्नकाल चला जिसमें 2504 सवालों को विधानसभा सचिवालय के द्वारा स्वीकृत किया गया था।

एक दर्जन कांग्रेस और...

प्रतिदिन जिन सदस्यों के सवाल लगे उन कांग्रेस सदस्यों में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उमेश पटेल, विक्रम मंडावी, भोलाराम साहू, दलेश्वर साहू, दलीप लहरिया, राघवेंद्र सिंह, इंद्रसाव, बालेश्वर साहू, अरबिका मरकाम, हर्षिता स्वामी बघेल, शेषराज हरबंश, लखेश्वर बघेल के नाम शामिल हैं। वहीं भाजपा विधायकों में धरमलाल कौशिक, पुन्नूलाल मोहिले, अजय चंद्राकर, धर्मजीत सिंह, राजेश मूणत और भावना बोहरा का नाम शामिल है।

मैंने चव्वनी खा ली...

बाजार है तो सरकंडा क्षेत्र धीरे-धीरे इसका गढ़ बनता जा रहा है। जरहाभाठा और मगरपारा में पुराने खाइवाल हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद लेकिन खेल अंडरग्राउंड होकर चल रहा है। दयालबंद, हेमूनगर, यदूनंदन नगर और तिफरा में रोजाना लाखों करोड़ों का सट्टा लगता है। हरिभूमि ने बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र के एक प्रमुख सट्टेबाज से बात की तो उसने स्वीकार किया की करोड़ों का सट्टा लग रहा है। सट्टे के खेल में पुराने खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं और छात्रों को ज्यादा शामिल किया जा रहा है। इसने बताया कि अब ऑनलाइन साइट पर कई ऐसे ऐप आ गए हैं जिसके जरिए बुकी के एजेंट सट्टा लगाने वालों से रकम लेकर उनकी नई आईडी बनाते हैं और फिर उस आईडी में रकम डालते हैं। कोई दो हजार रुपए से अपनी आइडी खुलवाता है, तो कोई 50 हजार से। यह सब ऑनलाइन किया जा रहा है।

भिलाई के सटोरियों ने शहर छोड़ा, आईपीएल के रेट तय : आईपीएल मैच के शुरु होते ही भिलाई-दुर्ग में सट्टा बाजार गर्म हो गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स का रेट 86 और रॉयल चैलेंजर्स का 87 रेट चल रहा है। क्रिकेट सटोरियों को अब पकड़ पाना मुश्किल हो गया है क्योंकि स्मार्ट मोबाइल का उपयोग कर ऑनलाइन सट्टा लगा रहे हैं। पुलिस इन पर नजर तो रखी हुई है लेकिन बिना सबूत के पुलिस के हाथ भी खाली है। आईपीएल मैच के शुरू होते ही ऑनलाइन महादेव सट्टा के पैनालिस्ट भी सक्रिय होकर अपना कारोबार जिले के बाहर कर रहें है। इस सट्टे के कारोबार में कॉलेज छात्रों की भर्ती ली गई है। जिसे टेक्निकल की जानकारी अच्छी खासी है। हरिभूमि के स्टिंग में इस पूरे मामले का खुलासा हुआ है। सट्टे के दौरान उपयोग में लाए जाने वाली भाषा सामान्य से अलग है। डिब्बा, पंटर, लाइन, अठन्नी जैसे शब्दों को उपयोग में ला जा रहा है।

शहर के प्रमुख खाइवाल...

सेशन और छह ओवर तक सट्टा लगाने को छोटी पारी खेलना कहते हैं। इन पांच ओवरों में खेलने वाली टीम कितने रन बनाएगी और इसके कितने खिलाड़ी आउट होंगे व कौन सा खिलाड़ी कितने रन बनाएगा, सभी पर सट्टा लगा होता है।

हरिभूमि- मैच से पहले ही सट्टे का भाव तय होता है क्या : खाइवाल- मैच की पहली गेंद से लेकर टीम के जीत तक भाव चढ़ते उतरते हैं। एक लाख को एक पैसा, 50 हजार को अठन्नी, 25 हजार को चवन्नी कहा जाता है। यदि किसी ने दांव लगा दिया और वह कम करना चाहता है तो फोन कर एजेंट को 'मैंने चवन्नी खा ली' कहना होता है। टॉस पर भी मोटा सट्टा लगता है।

हरिभूमि- पुलिस पकड़ती नहीं क्या, बचने के लिए क्या करते हो : खाइवाल- सावधानी बरती जाती है कि एक बार कोई मोबाइल नंबर यूज हो गया तो उसे दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जाता। पुलिस की नजर से बचने के लिए दर्जनों मोबाइल फोन रखते हैं। फोन टैप होने के डर से हरेक खिलाड़ी का रेट, जीत हार, कुल स्कोर आदि पर लगने वाले सट्टे के रेट एसएमएस से एक दूसरे को भेजे जाते हैं। इसमें नगद लेनदेन नहीं होता। फोन पर ही काल कर सट्टा लगाया जाता है। मोबाइल वालेट और खाता के जरिए पैसे इधर-उधर किए जाते हैं। बुकी मोबाइल लेकर घर पर बैठा है या कहीं और, यह जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाती।

सट्टे की भाषा...

50 हजार	-	अठन्नी
भाव	-	डिब्बे की आवाज
20 ओवर	-	लंबी पारी
10 ओवर	-	सेशन
छह ओवर	-	छोटी पारी
शर्त कम करना	-	खा जाना

जज वर्मा के घर में दिखा जले हुए नोटों का अंबार...

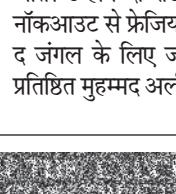
रिकॉर्ड कर रहा है। घटनास्थल पर कुछ बोतलें और कपड़े के टुकड़े भी देखे जा सकते हैं। वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से नकदी मिलने के मामले में भारत के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को एक रिपोर्ट सौंप दी है। जस्टिस उपाध्याय ने घटना के संबंध में साक्ष्य और जानकारी एकत्रित करने के लिए आंतरिक जांच प्रक्रिया शुरू की थी। उन्होंने अग्निशमन विभाग और पुलिस समेत सभी संबंधित अधिकारियों से बात करने के बाद शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट प्रधान न्यायाधीश को सौंप दी। एससी का कॉलेजियम रिपोर्ट की पड़ताल करेगा और फिर कोई कार्रवाई कर सकता है।

जस्टिस गवई ने मणिपुर हिंसा के पीड़ितों से कहा

'मणिपुर में जल्द शांति वापस आएगी देश के संविधान पर भरोसा रखिए'

एजेंसी ▶▶| इंफाल

सुप्रीम कोर्ट के जजों की एक टीम मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में पहुंची। वहां उन्होंने हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की. इस दल का नेतृत्व जस्टिस बीआर गवई ने किया।



जजों ने विस्थापित लोगों को ये भरोसा दिया कि मणिपुर की स्थित में जल्द ही सुधार आएगा। जस्टिस बीआर गवई ने पीड़ितों से कहा, 'मणिपुर में जल्द शांति वापस आएगी।

देश के संविधान पर भरोसा रखिए। सरकार, संसद और न्यायपालिका, तीनों मिलकर मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। एक दिन हम इस हालात से जरूर उबरेंगे।' जजों ने जिले के राहत शिविरों का दौरा किया।

चुराचांदपुर नहीं जा पाए जस्टिस सिंह

सुप्रीम कोर्ट के प्रतिनिधिमंडल में शामिल जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह मैतेई समुदाय से हैं। वो कुकी बहुल चुराचांदपुर जिले का दौरा नहीं कर पाए। क्योंकि वहां वकीलों के एक संगठन ने आपति जताई थी। इस मामले पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हमारा विचार शांति बनाए रखना है। हमें स्थिति को समझना चाहिए। हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे समाज का कोई भी वर्ग और अधिक विचलित हो या भड़के. क्योंकि हम शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

'पीएम मोदी मणिपुर का दौरा क्यों नहीं करते : कांग्रेस

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने इस दौरे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये एक अच्छी पहल है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मणिपुर में हैं। ये अच्छी बात है। मणिपुर में 60 हजार लोग विस्थापित हुए हैं और सैकड़ों लोग मारे गए हैं। समाज में भय का माहौल है। प्रधानमंत्री मणिपुर का दौरा क्यों नहीं करते? वो इसका जवाब नहीं देते। राष्ट्रपति शासन इतनी देरी से क्यों लगाया गया? इसका भी कोई जवाब नहीं है।

जॉर्ज फोरमैन का निधन, 19 की उम्र में जीता था ओलंपिक गोल्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



■ पेशेवर बनने से पहले लगातार 37 मैच जीते

अमेरिकी मुक्केबाज जॉर्ज फोरमैन का शुक्रवार, 21 मार्च को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस खबर की पुष्टि की। फोरमैन ने 1968 में मैक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक में अपना नाम बनाया था, जहां उन्होंने सिर्फ 19 साल की उम्र में अपने 25वें शौकिया मुकाबले में ही हैवीवेट का गोल्ड मेडल जीता था।

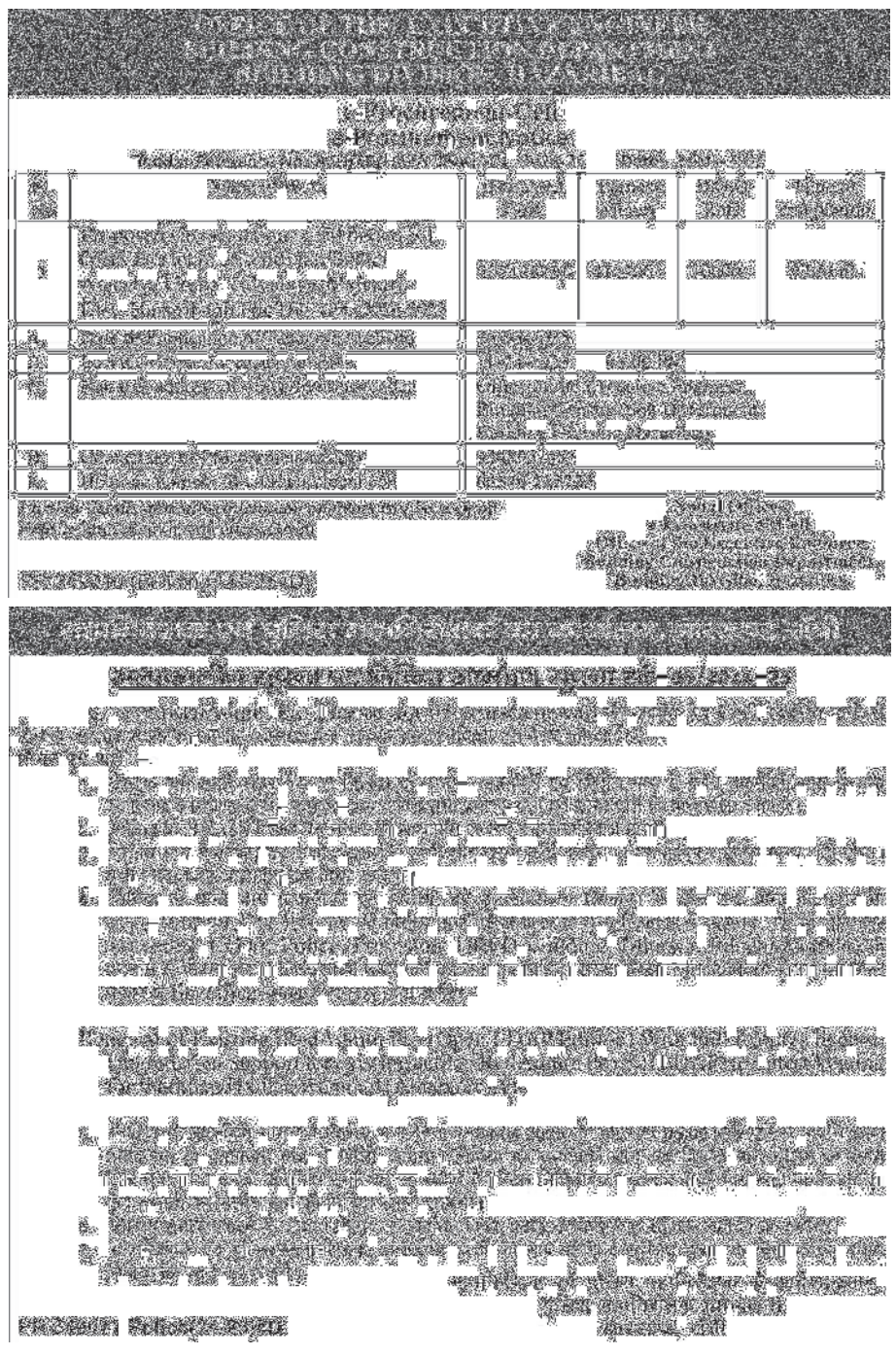
जमैका में मौजूदा चैंपियन जो फ्रेजियर का सामना करने से पहले लगातार 37 मैच जीते। उन्होंने दो राउंड के बाद तकनीकी नॉकआउट से फ्रेजियर को हराया। फोरमैन को 1974 में प्रसिद्ध रंबल इन द जंगल के लिए जाना जाता है, जहां उन्होंने अपना पहला खिताब प्रतिष्ठित मुहम्मद अली से खो दिया था।

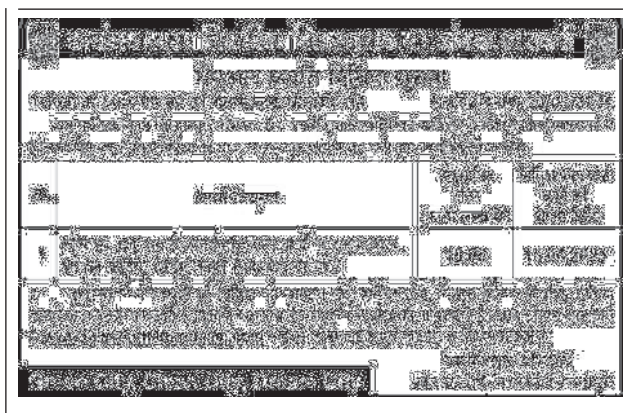
केजीबी में ब्रिटेन के विश्वस्त जासूस गोर्डिएव्स्की का निधन

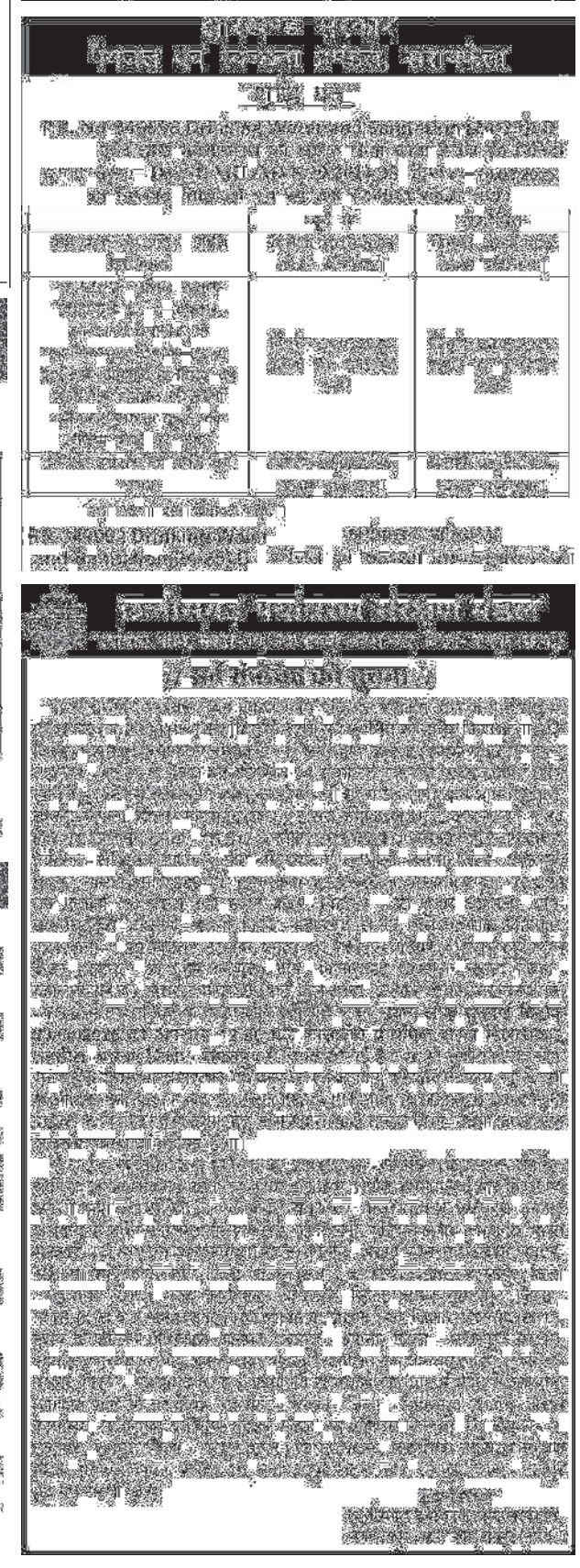
लंदन। चोरी-छिपे ब्रिटेन को गोपनीय सूचना प्रदान कर शीतयुद्ध की दिशा बदलने में मदद पहुंचाने वाले पूर्व सोवियत केजीबी अधिकारी ओलेग गोर्डिएव्स्की का निधन हो गया। वह 86 साल के थे। उन्होंने इंगलैंड में चार मार्च को अंतिम सांस ली, जहां वह 1985 में देश छोड़ने के बाद से रह रहे थे। इतिहासकार गोर्डिएव्स्की को उस दौर के सबसे महत्वपूर्ण जासूसों में से एक माना जाता था।

कुरुक्षेत्र में पुजारियों को पीटा, फायरिंग में एक घायल

कुरुक्षेत्र । हरियाणा के कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में 18 मार्च से शुरू हुए 102वें 1008 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ में शनिवार सुबह गोली लगने से एक पुजारी घायल हो गया है। घायल पुजारी को इलाज के लिए लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुजारी को गोली लगने के बाद विवाद बढ़ने पर वेद पाठियों ने मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया है। घटिया खाना देने के आरोप में शुरू हुआ हंगामा : वेद पाठियों ने यज्ञ सम्राट पर घटिया खाना देने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू किया। बताया जा रहा है कि हंगामा बढ़ने पर यज्ञ सम्राट बाबा हरिओम के अंगरक्षक ने गोली चला दी।







भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को मारी गोली

सहारनपुर। सहारनपुर जनपद के गंगोह में सांगाखेड़ा ने एक भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दी। हमले में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बेटे शिवांश, देवांश और बेटी श्रद्धा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया गया कि भाजपा जिला कार्यसमीति के सदस्य योगेश रोहिला ने अपनी पत्नी पत्नी नेहा (32), शिवांश (4), देवांश (7), श्रद्धा (8) को गोली मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली की आवाज सुनकर व शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। भाजपा नेता ने घर के भीतर ही इस वारदात को अंजाम दिया। बताया गया कि चारों के सिर में गोली मारी गई है। हालांकि आरोपी भाजपा नेता को पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

राशिफल

मेष मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। धर्म के प्रति श्रद्धा रहेगी।

वृष कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

मिथुन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। पिता का साथ मिलेगा। खर्च बढ़ेंगे। बातचीत में संयत रहें।

कर्क शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मन लगेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। मन में उतार-चढ़ाव के भाव रहेंगे।

सिंह शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भागदौड़ अधिक रहेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

कन्या शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी।

तुला क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक धैर्यशीलता बनाए रखें। भाई-बहनों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ सकती है।

मकर लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

कुंभ कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों की अधिकता रहेगी। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है।

मीन पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 5813



बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-5812 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	च		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	च	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		त
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

सूडोकु नवताल 5823

सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5822 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1



टैक्स बचाने का अब आखिरी मौका, 31 मार्च से पहले अपनाएं ये ट्रिक्स

वित्त वर्ष 2024 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया

इस बार यह संख्या और बढ़ेगी, 12.75 लाख तक नहीं देना होता टैक्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और नया वित्त वर्ष 2025-26 शुरू होने में सिर्फ 10 दिन रह गए हैं। ऐसे में जो लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था को चुन रहे हैं, उनके पास टैक्स बचाने के लिए अब आखिरी मौका है। हालांकि वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 24 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया, और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है। हालांकि, अभी भी कई करदाता पुरानी टैक्स व्यवस्था के जरिए टैक्स छूट के फायदे लेना पसंद करते हैं। अगर आप भी पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्स छूट पाना चाहते हैं, तो यह समय आपके लिए आखिरी मौका हो सकता है। सही निवेश से आप अपने टैक्स का बोझ कम कर सकते हैं।

सेक्शन 80सी: टैक्स बचाने के लिए बेस्ट निवेश विकल्प

अगर आप इनकम टैक्स बचाना चाहते हैं, तो सेक्शन 80सी के तहत कई निवेश योजनाओं में पैसा लगाकर 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का फायदा उठा सकते हैं। इस सेक्शन के तहत सुकन्या समृद्धि योजना, इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और 5 साल की टैक्स-सेवर फिक्स्ड डिपॉजिट जैसी कई योजनाएं आती हैं। हर योजना की अपनी अलग लॉक-इन अवधि और रिटर्न दर होती है। अगर आप कम से कम लॉक-इन पीरियड में निवेश करना चाहते हैं, तो ईएलएसएस आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिसका लॉक-इन केवल 3 साल है, लेकिन इसका रिटर्न बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। वहीं, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश पर आपको सेवानिवृत्ति (60 वर्ष) तक इंतजार करना होता है। ईपीएफ भी सेवानिवृत्ति तक का निवेश है, लेकिन आंशिक निकासी की सुविधा इसमें दी जाती है। अगर आप गैर-बाजार जोखिम वाले निवेश चाहते हैं, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसए) और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसएसए में सालाना 8.2% और एससीएसएस में 8.2% ब्याज मिलता है। वहीं, पीपीएफ में 7.1%, एनएससी में 7.7%, और पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में 7.5% का सालाना ब्याज मिलता है। टैक्स-सेवर बैंक एफडी का रिटर्न 6.5% से 7.5% तक होता है। यदि आप लॉन्ग-टर्म प्लानिंग कर रहे हैं, तो पीपीएफ, इपीएफ और एनपीएस बढ़िया विकल्प हो सकते हैं। वहीं, जो लोग शॉर्ट-टर्म टैक्स सेविंग और अच्छा रिटर्न चाहते हैं, वे ईएलएसएस और 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी का चुनाव कर सकते हैं। 31 मार्च से पहले सही निवेश करके आप न सिर्फ टैक्स बचा सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत कर सकते हैं।

नया टैक्स बचाने से पहले मौजूदा निवेशों की करें जांच

अगर आप टैक्स बचाने के लिए नया निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पहले यह देखें कि इसकी जरूरत है या नहीं। कई निवेश योजनाओं में लॉक-इन पीरियड होता है, यानी एक बार पैसा लगाने के बाद आप उसे तय समय से पहले नहीं निकाल सकते। सबसे पहले यह जांचें कि आपने इस साल कितना निवेश किया है। हो सकता है कि आप पहले ही धारा 80सी की सीमा पूरी कर चुके हों। ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि), जिसे आपकी सैलरी से हर महीने काटा जाता है, भी टैक्स बचत में शामिल होता है। इसी तरह, अगर आपके पास होम लोन है, तो उसका मूलधन (प्रिंसिपल) भी धारा 80सी के तहत टैक्स छूट दिला सकता है। इसलिए, नया निवेश करने से पहले अपने मौजूदा निवेशों को जरूर जांचें। हो सकता है कि ईपीएफ और होम लोन के रीपेमेंट से ही आपकी टैक्स बचत की जरूरत पूरी हो रही हो और आपको अलग से निवेश करने की जरूरत न हो।

अगर 2024 में जॉब बदली है तो फॉर्म 12 भरना जरूरी अगर आपने 2024 में नौकरी बदली है, तो फॉर्म 12बी भरना जरूरी है। यह फॉर्म आपके नए एम्प्लॉयर को आपकी पिछली सैलरी और टैक्स



कटौती की जानकारी देने में मदद करता है, जिससे आपकी सैलरी से सही टैक्स कटे। अपने टैक्स रिकॉर्ड सही रखने के लिए 31 मार्च तक फॉर्म 12बी सबमिट करें। इससे आपका नया एम्प्लॉयर टैक्स कैलकुलेशन में गलती नहीं करेगा और सही टीडीएस कटेगा।

सीनियर सिटीजन्स के मेडिकल खर्च पर टैक्स डिडक्शन

भारत में आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत करदाता अपने और अपने परिवार के लिए चुकाए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ उठा सकते हैं। इससे उनकी टैक्स योग्य आय कम होती है और उन्हें कम टैक्स देना पड़ता है। लेकिन अगर आपने सीनियर सिटीजन्स (वरिष्ठ नागरिकों) के लिए कोई हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम नहीं भरा है, तब भी आप उनके मेडिकल खर्च पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। इस धारा के तहत, 60 साल या उससे अधिक उम्र के माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों के इलाज पर किए गए खर्च के लिए 50,000 रुपये तक का टैक्स डिडक्शन लिया जा सकता है। यह सुविधा उन करदाताओं के लिए फायदेमंद है, जिनके माता-पिता या अन्य वरिष्ठ परिजन बीमा कवर के बिना इलाज करवा रहे हैं। इसलिए, अगर आपके परिवार में कोई सीनियर सिटिजन बिना स्वास्थ्य बीमा के है, तो उनके मेडिकल खर्च का बिल संभालकर रखें और टैक्स बचत का लाभ उठाएं।

कैलकुलेशन से समझें

टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस फायदेमंद, लेकिन निवेश पर जोखिम भी अगर आप ईएलएसएस में निवेश करते हैं, तो इससे टैक्स बचाया जा सकता है। हालांकि, इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपका पैसा 3 साल तक लॉक रहेगा। इसके अलावा, ईएलएसएस एक जोखिम भरा निवेश भी है क्योंकि यह शेयर बाजार से जुड़ा होता है। शेयर बाजार की स्थिति अक्सर बदलती रहती है, जिससे इस स्कीम में रिटर्न का कोई निश्चित भरोसा नहीं होता। इसलिए, निवेश करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहने की क्षमता को जरूर समझें।



निवेश का 'गुरु मंत्र' जब लोग डर रहे हों तो आप लालची बन जाएं

● निवेश में सफलता के लिए हमेशा लक्ष्य तय कर पैसा लगाएं ● दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का मंत्र- बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का एक पॉपुलर कोट है कि बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है, जबकि निवेश बनाए रहने से टाइम और कंपाउंडिंग निवेशक के फेवर में काम करते हैं। उनका कहना है कि जब बाजार में घबराहट होती है तो हम अपनी दौलत नहीं गंवाते हैं, बल्कि जब हम घबराते हैं तो हम अपने पैसों का नुकसान कर लेते हैं। तो क्या मौजूदा बाजार की गिरावट में भी दिग्ग्ज निवेशक का ये मंत्र लंबी अवधि में सफलता का राज बन सकता है। अगर हम बाजार की हिस्ट्री में बड़ी गिरावट और उसके बाद रिकवरी के आंकड़े देखें तो यह बात समझ में आ सकती है।

निवेश बनाए रखना जरूरी

जानकारों का कहना है कि फंड हाउस की एक स्टडी के अनुसार पिछले 2 दशक में, ऐसे 13 मौके आए, जब एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स ने 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की।

इनमें से 11 मौकों पर, इंडेक्स ने एक साल बाद पॉजिटिव रिटर्न दिया। इनमें से 9 मौकों पर रिटर्न



● **बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन घबराएं नहीं**

● **यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने का अहम समय**

डबल डिजिट में था, जबकि एवरेज रिटर्न 21 फीसदी रहा।

अगर आप 10 फीसदी की गिरावट के बाद भी निवेश के लिए 3 साल तक समय-सीमा बढ़ाते हैं, तो निगेटिव रिटर्न का एक भी उदाहरण नहीं है। रिसर्च के अनुसार 18 अप्रैल 2005 से 18 अप्रैल 2006 के बीच बाजार में 80 फीसदी से ज्यादा बढ़त रही।

15 सितंबर 2008 से 15 सितंबर 2009 तक बाजार में 20 फीसदी तेजी आई। 8 मई 2012 से 8 मई 2013 के बीच बाजार में 21 फीसदी तेजी रही।

17 नवंबर 2016 से 17 नवंबर 2017 के बीच बाजार में 27 फीसदी तेजी रही। 23 मार्च 2018 से 23 मार्च 2019 के बीच 15 फीसदी तेजी रही, जबकि इन सभी साल के पहले तक बाजार में करेक्शन का दौर चला था। तो यह डाटा तो वॉरेन बफेट के प्रसिद्ध कोट को सही साबित करता है।

एसआईपी बनाए रखने का फायदा

घबराहट की स्थिति में कई बार निवेशक घबराकर जल्दबाजी में फैसले लेने लगते हैं। जैसे पहले से चल रहे एसआईपी को बंद कर देना या टारगेट पूरा हुए बिना निवेश को भुना लेना, लेकिन वास्तव में ये कदम फाइनेंशियल हेल्थ के लिए नुकसानदायक है। एसआईपी के पीछे मूल उद्देश्य रूपी कास्ट एवरेजिंग है। जब आप लोअर मार्केट लेवल पर एसआईपी जारी रखते हैं, तो आप अपने समान मंथली निवेश की राशि से अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, क्योंकि नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम होती है। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि जब बाजार में रिकवरी आती है, तो इन बढ़ी हुई यूनिट पर आपको ज्यादा लाभ होता है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से कैसे निपटें

हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो का फिर से मूल्यांकन करने का एक सुनहरा अवसर पेश करता है। इस डर का उपयोग प्रोडक्टिवली यह मूल्यांकन करने के लिए करें कि आपका वर्तमान एसेट एलोकेशन आपकी जोखिम लेने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। अक्सर, बुल मार्केट यानी तेजी वाले बाजारों में निवेशक दूसरों को फॉलो करते हुए या हाल ही में टॉप प्रदर्शन करने वाली कैटेगरी को देखकर निवेश करते है, लेकिन हर निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता, लिक्विडिटी की जरूरतें और टाइम लिमिट अलग-अलग होती है।

एसेट एलोकेशन स्ट्रैटेजी

⏭ **लार्ज और मिडकैप फंड/ ल्टीकैप फंड/फ्लेक्सीकैप फंड** : उन निवेशकों के लिए जो लंबी अवधि में अपनी दौलत में इजाफा करना चाहते हैं और इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव को झेलने की क्षमता रखते हैं, ये फंड कैटेगरी अच्छे विकल्प होंगे। क्योंकि इनमें मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से पोर्टफोलियो मिक्स होता है, जो मार्केट के किसी खास सेगमेंट में तेज उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।

⏭ **हाइब्रिड इक्विटी स्कीम/ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड** : ये योजनाएं निश्चित रूप से ऐसे निवेशकों के लिए सावधानी से विचार करने योग्य हैं, जिन्हें हाल ही में 10 फीसदी की गिरावट ने यह अहसास जगा दिया है कि इक्विटी निवेश में अप-डाउन हो सकता है, लेकिन जो अभी भी भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले लॉन्ग टर्म एसेट क्लास के रूप में अपने स्टेटस के लिए इक्विटी होल्डिंग चाहते हैं।

⏭ **मल्टी-एलोकेशन फंड** : जो निवेशक इसमें विश्वास करते हैं कि इक्विटी की एक ही कैटेगरी में निवेश करना समझदारी नहीं है, उनके लिए एक दूसरे से लो को-रिलेशन वाले मल्टी एसेट क्लास का मिक्स एक पसंदीदा विकल्प हो सकता है।

⏭ **(डिस्क्लेमर** : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी प्रदान करना है। यह किसी भी तरह से निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में जोखिम होता है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि निवेश का कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने स्तर पर फाइनेंशियल एडवाइजस से परामर्श जरूर कर लें।)

एसआईपी से दूर जा रहे निवेशक गिरते बाजार में संभलकर उठाएं कदम

मोहभंग
बिजनेस डेस्क

● **एसआईपी के जरिए निवेश करके बड़ा फंड हो सकता है तैयार**

● **लॉन्ग टर्म में इनमें अच्छा रिटर्न मिलने की पूरी उम्मीद होती है**

● **थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करके करोड़पति बन सकते हैं**

● **अभी शेयर मार्केट में गिरावट है। तो निवेशक एसआईपी से भी दूरी बना रहे**

● **लेकिन लंबे समय के लिए निवेश का यह एक बेहरीन विकल्प**

बाजार में म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करना एक बढ़िया तरीका माना जाता है। काफी निवेशकों ने इस तरह से बड़ा फंड भी बनाया है। एसआईपी के जरिए हर महीने एक तय रकम निवेश करने पर करोड़पति बनना काफी आसान होता है। लेकिन लगता है कि इस स्कीम को किसी की नजर लग गई है। शेयर बाजार में पिछले कई महीने से भारी गिरावट देखी जा रही है। बाजार में बिकवाली (बिक्री) की आंधी का असर म्यूचुअल फंड निवेशकों पर भी पड़ रहा है। फरवरी में म्यूचुअल फंड में निवेश काफी गिर गया है। इसमें अभी भी गिरावट का दौर लगातार जारी है। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं रखें और बाजार की गिरावट से डरकर न भागें। पहले भी देखा गया है कि लंबी अवधि में एसआईपी ने अच्छा फायदा दिया है। इसलिए एसआईपी में निवेश बनाए रखें।

कम समय में ज्यादा रिटर्न

बाजार में उतार-चढ़ाव चलते रहते हैं। ऐसे में एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान फायदेमंद माना जाता है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। बाजार ऊपर हो या नीचे, आपका निवेश चलता रहता है। इससे आपको औसतन कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं। लंबे समय में इससे अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन पिछले कुछ समय से तस्वीर कुछ बदल रही है।

फरवरी में कितनी आई गिरावट?

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में स्मॉलकैप और मिडकैप योजनाओं में निवेश घटने से इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में 26%गिरकर 29,303 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी 2025 में यह आंकड़ा 39,687 करोड़ रुपये था। डेट म्यूचुअल फंड में 6,525 करोड़ रुपये का रेकॉर्ड आउटफ्लो (निकासी) देखने को मिला, जबकि जनवरी में इसका टोटल इन्फ्लो (निवेश) 1.28 लाख करोड़ रुपये था।

लोगों की संख्या में आई कमी

फरवरी में सेंसेक्स और निफ्टी लगातार पांचवें महीने लाल निशान में बंद हुए और यह साल 1996 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट रही। म्यूचुअल फंड में मिलने वाले रिटर्न पर मार्केट की गिरावट का असर पड़ता है। फरवरी में म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए पैसा लगाने वालों की संख्या कम हुई है। फरवरी में एसआईपी के जरिए 25,999 करोड़ रुपये आए। यह पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। जनवरी के मुकाबले इसमें 2% की गिरावट आई है।

क्या कहते हैं जानकार?

जानकारों के मुताबिक मार्केट गिरे और निवेश की वैल्यू कम होने लगे तो घबराना नहीं चाहिए। काफी लोग इस गिरावट के कारण म्यूचुअल फंड से निकल जाते हैं और नुकसान कर बैठते हैं। अगर म्यूचुअल फंड की कीमत कम हो रही है तो ज्यादा यूनिट्स खरीदना शुरू कर दें। मार्केट जब बढ़ेगी तो आपका पैसा तेजी से बढ़ेगा। हालांकि पूरी रिसर्च करने और एक्सपर्ट से जानकारी लेने के बाद ही निवेश करें।

लंबे समय के लिए टिकें

म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म निवेश की सलाह दी जाती है। यहां लॉन्ग टर्म से मतलब कम से कम 3 साल है। अगर मार्केट में गिरावट के कारण शुरुआती कुछ महीनों में ही नुकसान दिखाई दे रहा है तो इससे घबराएं नहीं। बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशकों को अपनी लंबी अवधि की जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए और अपनी एसआईपी जारी रखनी चाहिए। कोरोना के समय जब शेयर मार्केट में गिरावट आई थी तो काफी लोगों ने एसआईपी को बढ़ा दिया था। आज उनकी रकम काफी बढ़ चुकी है।

क्या है एसआईपी

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एक ऐसा निवेश का जरिया है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति एक निर्धारित रकम, नियमित अंतराल में म्यूचुअल फंड्स के किसी स्कीम में – जैसे मासिक या त्रैमासिक, बजाय एक मुश्त रकम की अदायगी के, निवेश कर सकता है। यह किश्त 100 रुपये प्रति माह की मामूली रकम भी हो सकती है जो बहुत कुछ रेकरिंग डिपाजिट (आवर्ती जमा) से मिलती-जुलती है। ये इसलिए भी आसान है, क्योंकि आप अपने बैंक को ये स्थाई अनुदेश दे सकते हैं कि आपके खाते से ये रकम हर माह डेबिट (निकासी) होता रहे। एसआईपी भारतीय म्यूचुअल फंड्स निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो चला है, इसलिए कि ये निवेशक को बाजारों के उथल-पुथल और समय गणना की चिंता से अलग रख एक अनुशासित तरीके से निवेश में सहायता करता है। लम्बी अवधि के निवेश के लिए म्यूचुअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एसआईपी निवेश की दुनिया में क़दम रखने का यकीनन सबसे बढ़िया रास्ता हैं। निवेश से सर्वाधिक और श्रेष्ठ प्राप्ति के लिए, बेहद जरूरी है लम्बी अवधि के लिए निवेश हो, जिसका सीधा अर्थ यह कि आप जल्द से जल्द निवेश आरम्भ करें, ताकि आपके लक्ष्य लाभ अधिकतम हों।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
नकली माल से सावधान

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिविल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेंडिक्सक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा नरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • पिटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

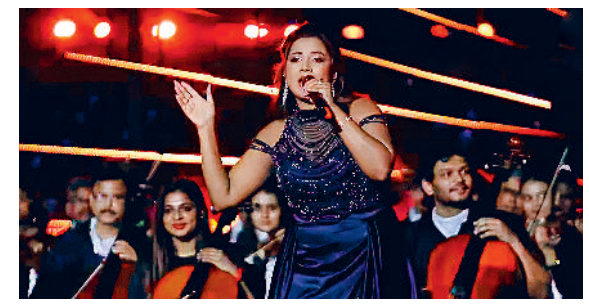
बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का इलाज







श्रेया घोषाल के गानों का क्रेज



परफॉर्मेंस की शुरुआत श्रेसा घोषाल ने की। श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत 'अमी जे तोमार' के भावपूर्ण गायन से की, जिसके बाद उन्होंने 'घूमर' और 'कर हर मैदान फतेह' सहित अन्य गीत प्रस्तुत किए। उन्होंने चुन्नी मेरी रंग दे ललारिया, मेरे यार दी गद्दी दे नाल दी गाने पर परफॉर्म किया। लेकिन पूरा स्टेडियम तब गूंज उठा जब उन्होंने हुसन तेरा-तेरा तौबा-तौबा गया और इसी समय दिशा पाटनी की भी एंट्री हुई। दोनों ने जमकर डांस किया।



आईपीएल का रंगारंग आगाज

60 हजार दर्शकों में दिखा रोमांच...

दिशा पाटनी, श्रेया घोषाल ने लूटी महफिल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 60 हजार दर्शकों के बीच आईपीएल के 18वें सीजन की रंगारंग शुरुआत हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से पहले ईडन गार्डन्स पर ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। मैच से पहले ओपनिंग सेरमनी में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ ही बॉलीवुड के कई कलाकार नजर आए। दिशा पाटनी के डांस मूव पर फैंस क्रेजी नजर आए। दिशा पाटनी के बाद पंजाबी सिंगर करण औजला स्टेज पर पहुंचे। उन्होंने अपने गानों से धूम मचा दी। करण ने जैसे ही 'हुस्न तेरा तौबा-तौबा' गाया दर्शक झूम उठे। इसके साथ ही उन्होंने वेवी और साफ्टली भी गाया।

इसके बाद श्रेया घोषाल के बाद दिशा पाटनी स्टेज पर पहुंचीं। दिशा ने अपने शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी। टू पीस में दिखा ने अपनी फिल्मों की गानें पर जोरदार डांस किया। अपने स्टेप्स से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।



शाहरुख ने की शुरुआत

आईपीएल 2025 के ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत शाहरुख खान ने की। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मालिक भी हैं। शाहरुख खान ने आईपीएल को लेकर कई प्रेरणादायक बातें कहीं। शाहरुख खुद भी पहले सीजन से आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने ही परफॉर्म करने वाले आर्टिस्ट का नाम भी अनाउंस किया।

रिंकू-विराट का डांस

इसके बाद शाहरुख खान ने दोबारा स्टेज संभाला। उन्होंने 18 साल से लगातार एक ही टीम में खेलते आ रहे विराट कोहली को स्टेज पर बुलाया और कुछ बातें कीं। फिर शाहरुख ने अपनी ही टीम के रिंकू सिंह को बुलाया। रिंकू सिंह के साथ शाहरुख ने अपने गाने लुट-पुट गया पर परफॉर्म किया और फिर कोहली को पठान के गाने पर झूमने को मजबूर कर दिया।

कोहली का सम्मान

फिर शाहरुख ने बीसीसीआई अधिकारियों और आईपीएल गर्वनिंग काउंसिल के अधिकारियों को स्टेज पर बुलाया। इसी के साथ सभी परफॉर्मर को भी स्टेज पर बुलाया। इसके बाद विराट का सम्मान किया गया और फिर आईपीएल ट्रॉफी लगाई गई। इस ट्रॉफी को इस सीजन का पहला मैच खेलने वाली टीमों के कप्तान लेकर आए। कोलकाता और आरसीबी के बीच पहला मैच होना है जो कोलकाता में ही होगा।

खबर संक्षेप



इंग्लैंड की जीत से शुरुआत

लंदन। माइल्स लुईस-स्केली और हैरी केन के गोल की मदद से इंग्लैंड ने वेम्बली स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्बानिया को 2-0 से पराजित करके विश्व कप क्वालीफाइंग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इंग्लैंड के नए कोच थॉमस ट्यूशेल का इस टीम के साथ यह पहला मैच था। ट्यूशेल इंग्लैंड के लगातार 11वें ऐसे कोच हैं जिन्होंने अपने पदार्पण मैच में जीत हासिल की। ग्रुप जी में पोलैंड और फ़िनलैंड ने विजयी शुरुआत की। पोलैंड ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के 81वें मिनट में किए गए गोल की मदद से लिथुआनिया को अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया, जबकि फ़िनलैंड ने माल्टा के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। बोस्निया-हर्जेगोविना ने ग्रुप एच में रोमानिया को 1-0 से हराया।

जिम्नास्ट प्रणति ने विश्व कप के वॉल्ट फाइनल में जीता कांस्य

नई दिल्ली। भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने शनिवार को तुर्की के अंताल्या में एफआईजी कलात्मक जिम्नास्टिक एपरेट्स विश्व कप के वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय ने वॉल्ट फाइनल में कुल 13.417 का स्कोर बनाया तथा जयला हैंग (13.667) और क्लेयर पीज (13.567) की अमेरिकी जोड़ी के पीछे तीसरे स्थान पर रहीं। प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 का स्कोर बनाया था। उन्होंन ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी उपकरण विश्व कप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

आईपीएल : विराट और साल्ट का अर्धशतक, कुणाल ने झटके 3 विकेट

बेंगलुरु का जीत से आगाज, कोहली का तूफान, कोलकाता को 7 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सत्र के शुरुआती मुकाबले में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स पर 22 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दर्ज की। विराट कोहली (नाबाद 59) और फिल सॉल्ट (56) ने आक्रामक बल्लेबाजी की। कप्तान अजिंक्य रहाणे की 31 गेंद में 56 रन की पारी के बावजूद केकेआर की टीम आठ विकेट पर 174 रन ही बना सकी। आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। कोहली ने 36 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाकर एक छोर संभाले रखा तो वहीं दूसरे छोर से उन्हें सॉल्ट और कप्तान रजत पाटीदार का अच्छा साथ मिला। सॉल्ट ने 31 गेंद की पारी में नौ चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 95 रन की साझेदारी कर आसीबी को शानदार शुरुआत दिलाई। पाटीदार ने 16 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने पांच गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 15 रन बनाए।



कुणाल मैच के हीरो

मैन ऑफ द मैच कुणाल ने बीच के ओवरों में 29 रन पर तीन विकेट झटक कर केकेआर की रन गति पर अंकुश लगा दिया। इस वामहस्त स्पिनर ने रहाणे को आउट करने के बाद अपने लगातार ओवरों में वेंकटेश अय्यर (छह) और रिंकू सिंह (12) को पवेलियन की राह दिखाई। पारी के पहले ओवर में क्विंटन डिकॉक (चार) को चलता करने वाले हेजलवुड ने चार ओवर में 22 रन देकर दो सफलता हासिल की।

रहाणे का अर्धशतक बेकार

रहाणे ने केकेआर की कप्तानी में शानदार शुरुआत करते हुए 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। भारत के लिए अपना पिछला टी20 मैच 2016 में खेलने वाले 36 वर्षीय अनुभवी रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह केकेआर का कप्तान बनाया गया है। उन्होंने 31 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के की मदद से 56 रनों की बेखौफ पारी खेली। सुनील नारायण ने 26 गेंद में 44 रन की पारी के साथ उनका शानदार साथ दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 10 रन प्रति ओवर से अधिक की गति से 55 गेंद में 103 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

स्कोर बोर्ड

केकेआर	रन	गेंद	4	6
डिकॉक का जितेश बो हेजलवुड	04	05	1	0
नारायण का जितेश बो सलाम	44	26	5	3
रहाणे का सलाम बो कुणाल	56	31	6	4
वेंकटेश अय्यर बो कुणाल	06	07	1	0
रघुवंशी का जितेश बो दयाल	30	22	2	1
रिंकू सिंह बो कुणाल	12	10	1	0
आंद्रे रसेल बो सुयश	04	03	1	0
रमनदीप सिंह नाबाद	06	09	0	0
राणा का जितेश बो हेजलवुड	05	06	1	0
स्पेंसर जॉनसन नाबाद	01	01	0	0
अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 174/8				
गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-22-2, यश दयाल 3-0-25-1, सलाम 3-0-35-1, कुणाल 4-0-29-3, सुयश 4-0-47-1, लिविंगस्टोन 2-0-14-0.				
आरसीबी	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का जॉनसन बो चक्रवर्ती	56	31	9	2
विराट कोहली नाबाद	59	36	4	3
पडिक्कल का रमनदीप बो नारायण	10	10	1	0
पाटीदार का रिंकू बो वैभव	34	16	5	1
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	15	05	2	1
अतिरिक्त : 03, कुल : 16.2 ओवर में 177/3				
गेंदबाजी : अरोड़ा 3-0-42-1, जॉनसन2.2-0-31-0, चक्रवर्ती 4-0-43-1, राणा 3-0-32-0, नारायण4-0-27-1.				

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव पर फैसला जल्द

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह ने शनिवार को पुष्टि की कि सौरव गांगुली की अगुवाई वाली क्रिकेट समिति अगले महीने 2025-27 चक्र के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्रस्तावित पुनर्गठन पर अंतिम फैसला लेगी। इस 16 सदस्यीय क्रिकेट समिति का नेतृत्व पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली कर रहे हैं और इसमें पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण, डेनियल विटोरी, महेला जयवर्धने और शॉन पोलाक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल के उद्घाटन के लिए यहां पहुंचे शाह ने कहा, 'कुछ प्रस्ताव आए हैं, लेकिन मुझे उनके बारे में पूरी जानकारी नहीं है। क्रिकेट समिति निर्णय लेगी।'

जे30 रायपुर आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स का शानदार आगाज

रायपुर। जे30 रायपुर आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स 2025, जो कि छत्तीसगढ़ स्टेट टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है, शनिवार को रायपुर इंटरनेशनल टेनिस अकादमी, कृषक नगर में शुरू हुआ। 22 मार्च से 29 मार्च तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ी आईटीएफ जूनियर वर्ल्ड रैंकिंग पॉइंट्स के लिए मुकाबला कर रहे हैं। इस वर्ष के टूर्नामेंट में भारत, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इटली और मेक्सिको सहित 6 देशों के 96 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। भारत के 56 बालक और 40 बालिकाएं इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना रहे हैं। टूर्नामेंट के पहले दिन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी खुशविन जेफ्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैतन्य ठक्कर को 6-0, 6-0 से हराया। तेजस रवि ने वरुण विजय कुमार को 6-4, 5-7, (10-6) से हराया। रविवार को सुबह 10 बजे से क्वालीफाइंग राऊंड के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। रविवार को शाम 4.30 बजे डॉ. हिमांशु द्विवेदी प्रधान संपादक आई एन एच 24x7 प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। विशेष अतिथि के रूप मे संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा होंगे।





दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की शीर्ष परिषद ने शनिवार को दलीप ट्रॉफी के लिए पारंपरिक अंतर-क्षेत्रीय प्रारूप को फिर से शुरू करने का फैसला किया जिसमें प्रथम श्रेणी स्तर के टूर्नामेंट में छह टीमों के बीच मुकाबला होगा। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति ने पिछले साल रणजी ट्रॉफी (38 टीम) में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चार टीमों ए, बी, सी और डी का चयन किया था जिसने चैलेंजर ट्रॉफी प्रारूप में प्रतिस्पर्धा की थी। अब चार टीमों के प्रारूप की जगह उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम, मध्य और उत्तर-पूर्व क्षेत्र दलीप ट्रॉफी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

खबर संक्षेप

पति की जीभ काटी महिला पर केस दर्ज

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले के बकानी कस्बे में घरेलू विवाद के दौरान गुस्से में महिला ने कथित तौर पर अपने पति की जीभ काट ली। रवीना सैन (23) के खिलाफ जानबूझकर चोट पहुंचाने और गंभीर रूप से घायल करने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। इस घटना की सूचना शुक्रवार शाम को पुलिस को दी गई।

रामबन में वाहन खाई में गिरा, दो की मौत

बनिहाल/जम्मू। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार को ताजी सब्जियां ले जा रहा एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चालक अर्शीद अहमद और उसका सहायक सेवा सिंह (लगभग 30 वर्ष) सब्जियां लेकर अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान जा रहे थे तभी जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास यह दुर्घटना हुई।

माओवादियों से लोहा लेने वाले जांबाज जवानों से रूबरू हुए उपमुख्यमंत्री

आपकी भुजाओं की ताकत के कारण ही आज मैं सड़क मार्ग से बीजापुर आ पाया : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा आज बीजापुर पहुंचकर गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत अंडरी के जंगलों में पुलिस और माओवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में शामिल सुरक्षा बलों के जांबाज जवानों से बीजापुर के रक्षित केंद्र में मुलाकात की।

- जवानों के साहस को सराहा और उनकी हौसला अफजाई की

उन्होंने जवानों के साहसिक और सफल ऑपरेशन की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों की भुजाओं की ताकत के बदौलत आज मैं सड़क मार्ग से बीजपुर आया हूं। इसके पूर्व कोई भी गृहमंत्री सड़क मार्ग से बीजापुर नहीं आए। गौरतलब है कि 20 मार्च को हुई इस मुठभेड़ में 14 महिला माओवादी सहित कुल 26 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद हुए हैं। शिनाख्त माओवादियों में डिवीसीएम, एसीएम, पीपीसीएम और पीएलजीए सदस्य शामिल थे। बस्तर रेंज में तैनात डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर, कोबरा, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी सीएएफ और अन्य समस्त सुरक्षा बल सदस्यों द्वारा मजबूत मनोबल एवं स्पष्ट लक्ष्य के साथ बस्तर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा व विकास हेतु समर्पित होकर कार्य किया जा रहा है।



इस अभियान से देश और दुनिया की सोच बदली है

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से सभी जवानों के लिए शुभकामना संदेश लेकर आया हूं, आपके पराक्रम और शौर्य से बस्तर में सुख-शांति फिर से लौटेगी। इस अभियान से आपने देश और दुनिया की सोच बदली है। भीषण मुठभेड़ में हमारे एक जांबाज जवान शहीद हुए उसको मैं श्रद्धांजलि देता हूं। बस्तर शांति का टापू रहा है, परन्तु कुछ दिग्भ्रमित लोगों के कारण यह की शांति भंग हुई है। हमारे सुरक्षा बल और पुलिस के जवान ऐसे लोगों को खत्म करके ही रहेंगे। यह छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा ऑपरेशन रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम मिले है। इस अवसर पर बस्तर आईजी सुंदरराज पी,डीआईजी कमलोचन कश्यप, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पुलिस बल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



पीएम की सुरक्षा, प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लोगों की सुविधाओं का भी रखें ध्यान : दयानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मार्च को बोदरी तहसील के ग्राम मोहठ्ठा आने वाले हैं। वे विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को मुख्यमंत्री के सचिव ने लगभग एक घंटे तक सभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अब तक की तैयारी की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही अधिकारियों की बैठक लेकर 25 मार्च तक तमाम तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

- 25 तक संपूर्ण तैयारियां पूर्ण करने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री के सचिव पी.दयानन्द ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लोगों की सुविधाओं का भी तैयारी में ध्यान रखा जाये। उन्होंने तेज गरमी और बरसात की संभावना को ध्यान में रखते हुए तैयारी करने की बात कही। सभास्थल के साथ-साथ पार्किंग भी पर्याप्त होने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह राज्य स्तरीय कार्यक्रम है, जिसमें बिलासपुर के साथ राज्य भर से लोग पहुंचेंगे। उनके यहां आने-जाने में हितग्राहियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने चाहिए। सुरक्षा प्रोटोकाल के चलते दो-तीन घण्टे पहले हितग्राहियों को पहुंचना होगा। लगभग 2 लाख लोगों के समागम की संभावना है।

प्रतिबंधित याबा की 5.5 करोड़ की गोलियां जब्त, तीन गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में प्रतिबंधित याबा (मादक पदार्थ) की 5.50 करोड़ रुपए की गोलियां बरामद होने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार रात एक होटल पर छापा मारा और याबा की 1.10 लाख गोलियां जब्त कीं।

विमान में चढ़ने नहीं दिया तो अपने कुत्ते को मारा, केस दर्ज

ऑरलैंडो। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक महिला ने आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण उसके कुत्ते को विमान में ले जाने की अनुमति नहीं मिलने पर उसे हवाई अड्डे के शौचालय में डुबोकर मार डाला और फिर अंतरराष्ट्रीय उड़ान में सवार हो गई। पुलिस ने महिला को लेक काउंटी क्षेत्र से बुधवार को गिरफ्तार कर दिया और उस पर पशु के साथ क्रूरता का आरोप लगाया गया। बाद में उसे 5,000 अमेरिकी डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया। ऑरलैंडो पुलिस विभाग ने हलफनामे में कहा, यह कृत्य जानबूझकर किया गया था और इस क्रूरतापूर्ण कदम के कारण पशु की मौत हो गई।

- शौचालय में डुबोकर कर दी हत्या



कोलंबिया वाली उड़ान में सवार

हलफनामे के मुताबिक, पहले महिला ने 15 मिनट तक एक विमानन कंपनी के एजेंट से बातचीत की और फिर वह अपने कुत्ते को लेकर शौचालय गई। पुलिस के अनुसार, जब वह 20 मिनट बाद शौचालय से बाहर आई तो कुत्ता उसके साथ नहीं था। इसके बाद वह कोलंबिया जाने वाली उड़ान में सवार हो गई।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
माता-पिता बनने का अनमोल अहसास
- स्त्री एवं पुरुष बांझपन की संपूर्ण जांच एवं इलाज
- नि:संतान दंपत्तियों हेतु आधुनिक पध्दति से उपचार
- अण्डाणु बनने की प्रक्रिया की जांच
- हार्मोनल समस्या का ईलाज (PCOD)
- बढ़ती उम्र की वजह से नि:संतानता का इलाज
- फेलोपियन ट्यूब बंद का इलाज
- ब्लास्टोसिस्ट ट्रांसफर की सुविधा
- बार-बार गर्भपात की जांच एवं सफल इलाज
- गर्भ संस्कार पर आधारित इलाज

संपूर्ण जांच एवं इलाज के लिए विश्वसनीय डॉक्टरों की टीम
97551 62611
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
- कमर
- जांघ,
- आर्म
- वक्ष स्थल
- शरीर के अन्य हिस्सों का लेजर द्वारा लाइपोसक्शन

छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
● रेडियो थैरेपी ● कीमोथेरेपी ● कैंसर सर्जरी ● मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई, मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440
Deepak Ad./101

संजीवनी CBCC कैंसर हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ का एक अत्याधुनिक सम्पूर्ण कैंसर हॉस्पिटल
जहां एक ही छत के नीचे निम्नलिखित एडवांस्ड सुविधाएं उपलब्ध
कैंसर सर्जरी | कीमोथेरेपी | रैपिड आर्क रेडियोथेरेपी | रोबोटिक कैंसर सर्जरी | PET स्कैन | 3D 4K लैपरोस्कोपिक सर्जरी
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389904010, 7389905010, 07714081010

कैंसर के खिलाफ इस लड़ाई में हमारा साथ देने के लिए
धन्यवाद
Vedanta Medical Research Foundation
BALCO Medical Centre
7th ANNIVERSARY
बालको मेडिकल सेंटर
170 बिस्तरों वाला, NABH व NABL से मान्यता प्राप्त मध्य भारत का अग्रणी, अत्याधुनिक कैंसर केयर हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ की विख्यात एवं अनुभवी मेडिकल, रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं कैंसर सर्जन्स की टीम
डॉ. भावना सिरोही — MBBS, DCH, CCT, FRCP, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल डायरेक्टर
डॉ. यशवंत कश्यप — MD, DM, मेडिकल, हीमेटो ऑन्कोलॉजी
डॉ. देबा दुलाल बिस्वाल — MD, DNB, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. दिब्येंदु डे — MD, DM, हीमेटो ऑन्कोलॉजी
डॉ. रुचि औजला — MD, DCH, MRCPCH, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी
डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव — DNB, MRCPCH-1, FIAP (PHO), पीडियाट्रिक हिमेटोलॉजिस्ट ऑन्कोलॉजी
डॉ. नीलेश जैन — MD (ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एंड इम्यूनोहाइमेटोलॉजी), PDF (हिमेटोलॉजी)
डॉ. मऊ रॉय — MS, MCh, निदेशक- क्लीनिकल एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. दिवाकर पाण्डे — MS, Mch., DNB, FACS, FSSO, FESSO, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. श्रवण नाडकर्णी — MS, Mch., MRCS, FMAS, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. द्वीपांजन बिस्वास — MS, MCh, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. अजीत अग्रवाल — MS, MCh, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. इशिता कत्याल — MBBS, MS, Mch. DrNB, प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी
डॉ. दीपमाल्या चटर्जी — MS, MCh, प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी
डॉ. नूपुर प्रिया — MS (जनरल सर्जरी), ब्रेस्ट एंड सर्जिकल ऑन्कोलोजी
डॉ. रश्मी राय — MDS-(मैक्सिलोफेशियल सर्जरी) FIBCSOMS-(हेड एंड नेक)
डॉ. रूद्र प्रताप सिंह — MS, DNB, ऑको - ऑर्थोपेडिक सर्जरी
डॉ. गौरव गुप्ता — MBBS, MD, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पटेल — MBBS, MD, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. युसुफ मलिक — MBBS, MD, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. प्रभाकर गुप्ता — MBBS, MD, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. जय कुमार राय — MBBS, DNB, MNAMS, न्यूक्लियर मेडिसिन
डॉ. विवेक बघेल — MBBS, MD, न्यूक्लियर मेडिसिन
डॉ. शिशिर अग्रवाल — रेडियोलॉजिस्ट
डॉ. एल गौरव — रेडियोलॉजिस्ट
डॉ. गीतिका मित्तल — रेडियोलॉजिस्ट
डॉ. कौतुक लोहिया — गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट
3,28,300+ ओपीडी | 50,650+ मरीजों का ईलाज | 65,000+ कीमोथेरेपी | 9,400+ सर्जरी | 5,500+ रेडिएशन थेरेपी | 2100+ ब्रेकीथेरेपी सेशन्स | 50+ ऑन्कोलॉजिस्ट, कैंसर केयर विशेषज्ञ | 450+ नर्सिंग, पैरामेडिकल व सपोर्ट स्टॉफ
100+ सफल बोन मेरो ट्रांसप्लांट
विश्वस्तरीय कैंसर देखभाल
● मेडिकल ऑन्कोलॉजी ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी ● न्यूक्लियर मेडिसिन
● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ● प्लास्टिक, रिंकस्ट्रक्टिव एवं एस्थेटिक सर्जरी
● कीमोथेरेपी, इम्म्यूनो थेरेपी एवं टार्गेटेड थेरेपी
● ऑन्कोपैथोलॉजी एवं डायग्नोस्टिक ● पैन एवं पैलिएटिव केयर
सहायक सेवाएँ –
● आहार और पोषण सेवाएँ
● स्पीच थेरेपी
● क्लीनिक साइकोलॉजी
● फिजियोथेरेपी
● पुनर्वास थेरेपी
छत्तीसगढ़ की पहली नवीनतम हैल्सीऑन व ट्रू बीम रेडिएशन मशीनों द्वारा कैंसर का सटीक ईलाज
HALCYON RADIOTHERAPY | LINAC True Beam | PET SCAN | SPECT CT SCAN
BALCO MEDICAL CENTRE
बालको मेडिकल सेंटर
बीएमसी कैंसर डेकेयर - 1st फ्लोर, गंगा डायग्नोस्टिक्स, कलर्स मॉल के पास, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ. ग. 8282823333/4444 | www.balcomedicalcentre.com
छत्तीसगढ़ शासन, डॉ.खूबचंद बघेल योजना, आयुष्मान भारत, BSKY C.G.H.S. एवं सभी प्रमुख PSUs-Coal India (SECL), SAIL, SECR, CRPF ESIC, ECHS, NTPC, NMDC व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
ATUL

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com